{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 09 मई 2026
वैशाख कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 224
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,844.52
निफ्टी - 24,326.65
सोना - 1,53,000
चांदी - 2,70,000
डॉलर - 94.34

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

तमिलनाडु में विजय के सीएम बनने की राह साफ

-टीवीके को कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई(एम) और वीसीके का समर्थन -समर्थन के साथ ही बहुमत का आंकड़ा हुआ पूरा

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय के मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के बाद अब विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके), सीपीआई और सीपीआई(एम) ने भी टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके साथ ही पार्टी विधानसभा में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई है।

राज्यपाल से मिलने का तीसरा प्रयास

इस बीच खबर है कि टीवीके प्रमुख विजय ने शुक्रवार को भी लगातार तीसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिलने का समय मांगा। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे, लेकिन राज्यपाल ने स्पष्ट कहा था कि सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए 118 विधायकों का समर्थन जरूरी है।

ऐसे जुटा बहुमत

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 108 सीटों पर जीत हासिल की थी। विजय स्वयं दो सीटों से चुनाव जीते हैं, ऐसे में उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। इस स्थिति में पार्टी के पास प्रभावी रूप से 107 विधायक रह जाते हैं और बहुमत के लिए 11 अतिरिक्त विधायकों की जरूरत थी। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही टीवीके को समर्थन दे चुके थे। इसके बाद सीपीआई और सीपीआई(एम) के दो-दो विधायकों तथा वीसीके के समर्थन से पार्टी बहुमत के जरूरी आंकड़े तक पहुंच गई।

खड़गे ने डी राजा से की बात

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीपीआई महासचिव डी राजा से फोन पर बातचीत कर टीवीके को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में 'सेक्युलर सरकार' बनाने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट रहना चाहिए, ताकि भाजपा को सत्ता में आने का मौका न मिले।

लोकभवन के बाहर टीवीके समर्थकों का प्रदर्शन

सरकार गठन को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच शुक्रवार सुबह टीवीके समर्थकों ने चेन्नई स्थित राजभवन (लोकभवन) के बाहर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई समर्थकों को हिरासत में लिया। टीवीके ने यह भी कहा है कि यदि डीएमके और एआईएडीएमके गठबंधन कर सरकार बनाने का दावा पेश करते हैं, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे सकते हैं।

कैबिनेट में सहयोगी दलों को जगह संभव

सूत्रों का दावा है कि विजय की संभावित कैबिनेट में सहयोगी दलों को भी प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। वीसीके को एक मंत्री पद, जबकि सीपीआई और सीपीआई(एम) को दो-दो मंत्री पद मिलने की संभावना जताई जा रही है।

डीएमके ने फिर उठाया राज्यपाल पद खत्म करने का मुद्दा

इस बीच डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि ने राज्यपाल पद को लेकर अपनी पार्टी का विरोध दोहराया। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में संवैधानिक व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं और डीएमके अब भी राज्यपाल पद समाप्त करने की मांग पर कायम है।

लोकसभा में सीट बदलने की मांग

कांग्रेस से गठबंधन टूटने के बाद डीएमके ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट व्यवस्था बदलने की मांग की है। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि बदले राजनीतिक हालात में कांग्रेस के साथ बैठने की व्यवस्था जारी रखना उचित नहीं होगा।

खास खबर

एलपीजी सिलेंडर नियम में बड़ा बदलाव

पटना। केंद्र सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब 'एक घर, एक कनेक्शन' नियम को सख्ती से लागू किया जा रहा है। नए नियम के अनुसार, एक ही परिवार को सब्सिडी वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर और पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन दोनों एक साथ रखने की अनुमति नहीं होगी। सरकार का कहना है कि बढ़ते वैश्विक ऊर्जा संकट और ईंधन आपूर्ति पर दबाव को देखते हुए एलपीजी के सही उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत अब घरों को या तो एलपीजी सिलेंडर मिलेगा या पीएनजी कनेक्शन, दोनों सुविधाएं एक साथ नहीं मिलेंगी। दरअसल सरकार का उद्देश्य सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी रोकना और गैस सिलेंडर केवल उन जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाना है जहां अभी पीएनजी पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेक्टर से जुड़ी बड़ी कंपनी गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी की यह कार्रवाई ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कई गंभीर आरोपों के बाद सामने आई है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई एफआईआर दर्ज थीं। इन शिकायतों में लोगों को गुमराह करने, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से धन जुटाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

ममता के सोशल मीडिया से नहीं हटा मुख्यमंत्री का बायो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए बड़े बदलाव और 17वीं विधानसभा के भंग होने के बावजूद, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के सोशल मीडिया प्रोफाइल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आधिकारिक तौर पर पदमुक्त होने के बाद भी ममता बनर्जी ने अपने एक्स (ट्विटर) और फेसबुक अकाउंट पर माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल का विवरण (बायो) नहीं बदला है। गौरतलब है कि राज्यपाल आर.एन. रवि ने गुरुवार को ही संविधान की शक्तियों का प्रयोग करते हुए विधानसभा भंग करने का आदेश जारी कर दिया था। इसके साथ ही ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल तकनीकी रूप से समाप्त हो गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर अभी भी पुराना पद बरकरार रहने को विपक्षी दल भाजपा ने संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन बताया है।

सुवेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया।

विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान शाह ने मंच पर सुवेंदु अधिकारी को माला पहनाकर गले लगाया और जीत की बधाई दी।

शपथ ग्रहण समारोह आज

सुवेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

ममता बनर्जी को भवानीपुर में हराया

सुवेंदु अधिकारी ने इस विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हराकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इसके अलावा उन्होंने नंदीग्राम सीट से भी लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। वर्ष 2021 के चुनाव में भी उन्होंने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को पराजित किया था।

बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार

4 मई को घोषित विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 294 में से 207 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 80 सीटों पर सिमट गई। राज्य में पहली बार भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। हालांकि, फलता विधानसभा सीट पर मतदान स्थगित होने के कारण वहां 21 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा, जबकि परिणाम 24 मई को घोषित होंगे।

मोहाली-चंडीगढ़ में 24 घंटे के बाद भी जारी है छापेमारी, आप नेता का नाम आया सामने

चंडीगढ़। मोहाली-चंडीगढ़ में 24 घंटे बाद भी इनफोर्समेंट डॉयरेक्टोरेट (ईडी) की रेड जारी है। गुरुवार को ई.डी. ने पंजाब और हरियाणा में 12 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया था। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि मोहाली और चंडीगढ़ में सनटेक सिटी परियोजना, अजय सहगल, ए.बी.एस. टाउनशिप्स, अल्टस बिल्डर्स धीर कंस्ट्रक्शंस और अल्टस बिल्डर्स, धीर कंस्ट्रक्शंस और उनके सहयोगियों से जुड़े करीब 12 स्थानों पर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी नितिन गोहल नामक व्यक्ति के परिसरों पर भी छापे मार रही है। एक अखबार ने इस संबंध में सनसनीखेज खुलासा कर लिखा है कि ईडी ने चंडीगढ़ और मोहाली में एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी कर बड़े रियल एस्टेट नेटवर्क, बिल्डरों और कथित बिचौलियों को जांच के दायरे में लिया है, इसके बाद नेटवर्क में शामिल बिल्डर के साथ आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा का नाम भी सामने आया है। वहीं केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि धीर कंस्ट्रक्शन के मालिक गौरव धीर ने सनटेक प्रोजेक्ट्स के माध्यम से एल्टस स्पेस बिल्डर्स से प्रोजेक्ट खरीदा, जिसकी वैल्यू 130 करोड़ रुपए बताई गई है। जांच एजेंसी के अनुसार वैल्यू लगाने में करीब 170 करोड़ रुपए अंडर वैल्यू रखी गई। गौरव धीर पंजाब में आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरोड़ा का करीब बताया जाता है।

जांच एजेंसी की ओर से इस पूरे मामले में गोहिल के साथ-साथ प्रितपाल सिंह ढींडसा के यहां भी जांच की गई। जानकारों का कहना है कि करीब 1 करोड़ रुपया जांच के दौरान बरामद किया। ईडी के मुताबिक यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई। जांच एजेंसी का कहना है कि रियल एस्टेट लेनदेन और प्रोजेक्ट ट्रांसफर में कथित अनियमितताओं को लेकर छापेमारी की गई। जांच एजेंसी का दावा है कि मोहाली और आसपास के क्षेत्रों में रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स के ट्रांसफर, जमीन के मूल्यांकन से जुड़े लाइसेंस मामलों में बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि कुछ प्रोजेक्ट्स को वास्तविक कीमत से बेहद कम रकम में खरीदकर करोड़ों रुपये की कथित मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। वहीं ईडी की छापेमारी के दौरान मोहाली में हाई वोल्टेज ड्रामा दिखाई दिया। जानकारी के मुताबिक ईडी की रेड के दौरान एक फ्लैट से 500-500 रुपये के नोटों से भरे बैग नीचे फेंके गए। सोशल मीडिया पर नोट बिखरने के वीडियो तेजी से वायरल हो गए।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों की हड़ताल, 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंबई, (ईएमएस)। आगामी 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। दरअसल अखिल भारतीय औषध विक्रेता संगठनों द्वारा ऑनलाइन दवाओं की कथित अवैध बिक्री और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे के विरोध में राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का असर राज्य के सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा। संगठनों का कहना है कि बिना उचित जांच-पड़ताल और नियमों के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे न केवल छोटे मेडिकल दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूर होकर दवा विक्रेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर यह बंद किया जा रहा है। हालांकि, हड़ताल के दौरान गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है।

तमिलनाडु में चुनाव के बाद 100 से ज्यादा विधि अधिकारियों ने छोड़ी नौकरी

चेन्नई। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच एक बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया है। राज्य सरकार की पैरवी करने वाले 100 से ज्यादा विधि अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। बता दें इससे पहले पश्चिम बंगाल में भी कई अधिकारियों ने अपनी नौकरी छोड़ दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में एडवोकेट जनरल पी एस रमन के नेतृत्व वाले इन अधिकारियों ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। दरअसल, सरकारी वकीलों और विधि अधिकारियों की नियुक्तियां काफी हद तक राजनीतिक होती हैं। परंपरा के मुताबिक जब भी राज्य में सत्ता परिवर्तन होता है या नई सरकार आने वाली होती है तो पिछली सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी पद छोड़ देते हैं ताकि नई सरकार अपनी पसंद के वकीलों को नियुक्त कर सके। इस्तीफे के बावजूद, इन अधिकारियों को एक सप्ताह और पद पर बने रहने का निर्देश दिया गया है। सरकार नहीं चाहती कि कोर्ट में राज्य का पक्ष रखने वाला कोई न हो। सामान्य तौर पर नई सरकार अंतरिम व्यवस्था के तौर पर तीन-चार वकीलों की नियुक्ति करती है, लेकिन विजय की पार्टी (टीवीके) की सरकार बनने पर मचे सस्पेंस के कारण अभी तक ऐसी कोई नियुक्ति नहीं हुई है।

बाइस साल जेल, फिर सुप्रीम कोर्ट से राहत

उच्च न्यायालय के रवैये पर शीर्ष अदालत की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने एक अहम फैसले में हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए ऐसे व्यक्ति को जमानत दे दी है, जिसने जेल में बाइस साल से अधिक समय गुजार दिया है। सुनवाई के दौरान सर्वोच्च अदालत ने उड़ीसा उच्च न्यायालय के रवैये पर गंभीर चिंता जताते हुए उसे 'परेशान करने वाला' बताया और कहा कि न्याय केवल प्रक्रिया तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि संवेदनशीलता और व्यावहारिकता भी न्याय व्यवस्था का हिस्सा होनी चाहिए।

मामला उस दोषी से जुड़ा है, जिसकी आपराधिक अपील उच्च न्यायालय ने केवल देरी के आधार पर खारिज कर दी थी। अपील दाखिल करने में करीब तीन हजार एक सौ सत्तावन दिनों की देरी हुई थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने मामले के तथ्यों, सबूतों और गुण-दोष पर विचार किए बिना ही अपील सुनने से इनकार कर दिया।

सर्वोच्च अदालत की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि इतने लंबे समय से जेल में बंद व्यक्ति को कम से कम अपनी बात रखने और अपील पर सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए था। अदालत ने यह भी माना कि दोषी को पूरे कारावास के दौरान एक बार भी पैरोल या अस्थायी रिहाई नहीं मिली, जबकि जेल में उसका आचरण संतोषजनक पाया गया है।

शीर्ष अदालत ने संविधान प्रदत्त विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए दोषी को दस हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत देने का आदेश दिया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले को दोबारा उच्च न्यायालय भेजना अब व्यर्थ होगा।

साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिए गए हैं कि दोषी को सजा में राहत से जुड़ा उचित आवेदन तैयार करने में कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस फैसले को न्यायिक संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है।

बॉम्बे हाईकोर्ट से सभी 22 आरोपियों को राहत, पीड़ित परिवार को झटका

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने चर्चित सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले में निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखकर सभी 22 आरोपियों को बरी किया है। इन बरी किए गए लोगों में 21 पुलिसकर्मी शामिल हैं। हाईकोर्ट ने सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसर बी और सहयोगी तुलसीराम प्रजापति की कथित फर्जी मुठभेड़ में हत्या के मामले में दायर अपीलों को खारिज किया। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया।सोहराबुद्दीन के भाइयों रुबाबुद्दीन और नयाबुद्दीन ने 2018 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें सभी आरोपियों को बरी किया था। उन्होंने मामले की फिर सुनवाई या निचली अदालत के फैसले को रद्द करने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि सुनवाई ठीक से नहीं हुई और कई महत्वपूर्ण सबूतों पर विचार नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया था कि

अभियोजन पक्ष ने उन मजिस्ट्रेटों को गवाही के लिए नहीं बुलाया जिनके सामने कई गवाहों ने पहले बयान दर्ज कराए थे और बाद में अदालत में अपने बयान से पलट गए थे।

यह मामला 23 नवंबर 2005 को हुई घटना से जुड़ा है, जब सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसर बी और उनके साथी तुलसीराम प्रजापति को कथित तौर पर हैदराबाद से सांगली जा रही एक बस से उठाया गया था। सीबीआई ने दावा किया था कि सोहराबुद्दीन और प्रजापति को फर्जी मुठभेड़ में मार दिया गया, जबकि कौसर बी की हत्या की गई थी। यह केस पहले गुजरात में दर्ज हुआ था, लेकिन 2012 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मुंबई स्थानांतरित किया गया। इस मामले में मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी आरोपी थे, जिन्हें दिसंबर 2014 में विशेष अदालत ने आरोपमुक्त किया था।

21 दिसंबर 2018 को विशेष सीबीआई न्यायाधीश एस.जे. शर्मा ने सभी 22 आरोपियों को बरी कर दिया था। अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष साजिश और हत्या के आरोपों को साबित करने में विफल रहा। सुनवाई के दौरान 210 गवाहों की जांच की गई थी, जिनमें से 92 अपने बयान से मुकर गए, जिससे अभियोजन पक्ष का मामला कमजोर पड़ गया। ट्रायल कोर्ट ने पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी, लेकिन कहा था कि केवल संदेह या नैतिक आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इसी फैसले को बरकरार रखते हुए अपीलें खारिज कर दी हैं, जिससे पीड़ित परिवार को गहरा झटका लगा है। मामले का विस्तृत फैसला अभी आना बाकी है।

कुछ ना कहना

बधाई... बधाई...
ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा में
लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम
में आ रहे अतिथि का
स्वागत.. वंदन..
अभिनंदन..

श्रीमती अनुभा मुंजारे
विधायक, बालाघाट

ग्राम रामजीटोला में पानी टंकी का भूमिपूजन
लालबर्रा नगर हाईस्कूल मार्ग पर हाईमास्क व स्ट्रीट लाईट, सभामंच का लोकार्पण
दिनांक - 09/05/2026 समय - शाम 5 बजे
स्थान-रामजीटोला एवं शाम 6 बजे स्थान-लालबर्रा

अनीस खान
सरपंच

विनीत - अनीस खान-सरपंच, उपसरपंच, सचिव एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा

मौसम परिवर्तन का स्वास्थ्य पर असर, अस्पतालों में बढ़ रहे मरीज

लू, बुखार, पीलिया और उल्टी-दस्त के मामलों में इजाफा, डॉक्टरों ने धूप और गर्मी से बचने की दी सलाह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में लगातार बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है। शुक्रवार को जिले का तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे दिनभर तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। बीते कुछ दिनों से दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। मौसम में आए इस बदलाव के कारण अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में लू, वायरल बुखार, पीलिया, उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन से पीड़ित मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोग तेजी से इस मौसम की चपेट में आ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण शरीर में पानी की कमी होने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने, अधिक मात्रा में पानी पीने और हल्का एवं ताजा भोजन करने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में साफ-सफाई और खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। बाहर खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचने और बच्चों का विशेष ध्यान रखने की अपील भी की गई है।

जिले में बीते कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे असामान्य तापमान और मौसम में अचानक हो रहे बदलाव का असर अब आम जनजीवन के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी व्यापक रूप से देखने को मिल रहा है। मई माह की शुरुआत होते ही गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाना शुरू कर दिए हैं। सुबह से ही तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर रही है, जबकि दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आता है। अत्यधिक गर्मी और लू जैसे हालात के चलते लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। शुक्रवार को भी जिले में तेज धूप, गर्म हवाओं और बढ़ते तापमान ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर के समय सड़क पर निकलने वाले लोग सिर ढंककर और पानी की बोतल साथ लेकर चलते दिखाई दिए, वहीं बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में कम नजर आई। गर्मी के साथ-साथ मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का सीधा असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। खासकर वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, उल्टी-दस्त, डायरिया, बुखार और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से लोग परेशान हो रहे हैं। अस्पतालों में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इस प्रकार के मौसम में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को सबसे अधिक खतरा रहता है क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर होती है।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वर्तमान मौसम स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल भी अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे चेंज ऑफ क्लाइमेट का असर सीधे मानव शरीर के मेटाबॉलिज्म पर पड़ता है। जब तापमान में अचानक वृद्धि होती है या मौसम तेजी से बदलता है, तब शरीर को उस वातावरण के अनुसार स्वयं को ढालने में समय लगता है। इसी दौरान वायरस और बैक्टीरिया अधिक सक्रिय हो जाते हैं, जिससे संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि इन दिनों अस्पताल में वायरल संक्रमण, सर्दी-खांसी, उल्टी-दस्त, डायरिया और वायरल फीवर के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। डॉ. जैन ने कहा कि कई लोग गर्मी से राहत पाने के लिए ठंडे पेय पदार्थों, बर्फ वाले पानी या बाहर खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, जिससे संक्रमण और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। दूषित पानी और खराब भोजन के कारण डायरिया और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे मौसम परिवर्तन का जल्दी शिकार हो जाते हैं और ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाने, ताजा और हल्का भोजन करने तथा बाहर के खुले खाद्य पदार्थों से बचने की अपील की गई है। चिकित्सकों ने यह भी कहा कि छोटे बच्चों और बुजुर्गों को धूप और गर्मी से विशेष रूप से बचाकर रखा जाए क्योंकि उन्हें हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक रहता है। जिले में बढ़ती गर्मी के कारण लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा नजर आने लगा है, वहीं मजदूरी और बाहरी कार्य करने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज गर्मी और उमस के कारण लोग परेशान हैं। कई स्थानों पर बिजली कटौती और पानी की समस्या भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है।

जल संकट के बीच प्रशासन सख्त

अवैध बोरवेल उत्खनन पर बोरबेल मशीन जप्त

मकान मालिक समेत वाहन मालिक पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में जल संकट की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किए जाने के बाद भी बिना अनुमति अवैध रूप से बोरवेल उत्खनन करने के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए

बोरवेल मशीन जप्त कर ली है। साथ ही मकान मालिक एवं बोरवेल मशीन मालिक के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह मामला हट्टा थाने के ग्राम तिलपेवाड़ा का है। जहां मकान मालिक वल्लभ दमाहे द्वारा प्रशासनिक प्रतिबंधों के बावजूद 22 अप्रैल की रात लगभग 11 बजे अपने मकान परिसर में बिना अनुमति बोरवेल उत्खनन कराया जा रहा था। सूचना मिलने पर पटवारी द्वारा मौके पर पहुंचकर विधिवत पंचनामा तैयार करते हुए बोरवेल मशीन क्रमांक डब्ल्यू 34 रू6102 को जप्त किया गया और पुलिस थाना हट्टा के सुपुर्द किया गया इसके बाद पटवारी द्वारा पूरी कार्रवाई की जानकारी अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय बालाघाट को भेजी गई थी। जांच के दौरान वाहन मालिक श्रीमती अन्नपूर्णी पति पेरीस्वामी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। वहीं 5 मई 2026 को कार्तिक पिता पेरीस्वामी द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी की स्वयं प्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत की गई थी। जांच में यह स्पष्ट पाया गया कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बालाघाट द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करते हुए बिना अनुमति बोरवेल उत्खनन किया गया। यह कृत्य मध्य प्रदेश पेयजल संरक्षण अधिनियम की धारा 9 का उल्लंघन माना गया है प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मकान मालिक वल्लभ दमाहे पिता नारूलाल दमाहे निवासी ग्राम तिलपेवाड़ा तथा वाहन मालिक कार्तिक पिता पेरीस्वामी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

वन विभाग अवैध कटाई रोकने में असफल

पद्मेश न्यूज। बैहर। सरकार के दावे पर वन विभाग वृक्षों की सुरक्षा और नवीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई तरह से दावे और योजनाएं समय-समय पर पेश की जाती है जो मुख्य रूप से वृक्षारोपण अवैध कटाई पर रोक और नीतिगत संशोधनों पर केंद्रित रहता है हालांकि दावे बहुत मजबूत है लेकिन अक्सर यह भी आरोप लगाते रहे हैं की विभाग पुराने हरे भरे पेड़ों को बचाने और लगाए गए नए पौधों की सुरक्षा करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाता जिससे अवैध कटाई पेड़ों की सुरक्षा विवादों में हमेशा रहा है ऐसा ही एक मामला जिला मंडला के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बामनी टाटरी सर्कल के पोंडी बीट का है जहां टाटरी से मोर्चा मार्ग महज 100 मीटर की दूरी में ही सड़क के किनारे प्लांट में लगे सागौन की बेस्ट कीमती इमारती लकड़ियों की अंधाधुंध कटाई की गई है यह पेड़ लगभग 20 से 25 वर्ष के होंगे ऐसा करना कान्हा नेशनल पार्क खटिया गेट जाने वाली मुख्य मार्ग के किनारे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह का बेस कीमती पेड़ों का काटना कहीं ना कहीं अवैध लकड़ी कारोबारी के साथ वन कर्मियों की आपसी शिष्टाचार या संलिप्त होना जैसे कड़ी को दर्शाता है कारण यही भी है कि की गई शिकायत पर जांच और कार्रवाई के लिए सरकारी कार्यालय वन मंडल अधिकारी मंडला के चक्कर काटना कितना निराशाजनक है । वन विभाग की नाकामी और उसे छिपाने के लिए की जा रही तथाकथित अनर्गल करतूते

सागौनकी बेस कीमती इमरती

लकड़ियों की तस्करी और जंगल के भीतर चोरी छिपे संचालित आरा मशीन से वन संपदा सागौन के पेड़ो को भारी नुकसान पहुंचाया गया है तो वहीं शिकायत के बाद वन विभाग अपनी नाकामी छुपाने के लिए पेड़ों की कटे ठूंठो को गोबर से लिपकर तो कहीं पेड़ों की शाखाएं काट छांटकर पत्तों से झाका गया है वही कटे पेड़ों के को काट छांटकर हेम्बर मारकर पौधार किया जाना बताया गया इस प्रकार वन परिक्षेत्र अधिकारी बामनी के द्वारा अपने कारनामों को छुपाने के लिए अनर्गल कृत्य करना एक बहुत ही गंभीर आरोप को दर्शाता है वन विभाग के अधिकारी या कर्मचारी अपनी अवैध कटाई रोकने की सफलता को छुपाने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं और शिकायतकर्ता से अभद्रता कर रहे हैं और यह सीधे तौर पर कर्तव्य में लापरवाही और पदेन दुराचार जैसा कृत्य किया जा रहा है

छिप नही पाई करतुतें ग्रामीणों को सामने कर करना पड़ा दुर्व्यवहार

कार्यालय वनमंडलअधिकारी मंडला के चक्कर और कड़ी मशक्कत के बाद महाराजपुर पश्चिम सामान्य उपवनमंडल मंडला पत्र दिनांक 28/04/2026 को पत्र जारी कर 06/05/ 2026 को मौका स्थल की जांच के लिए समय सुनिश्चित किया गया था बावजूद इसके जांच के लिए तय की गई तारीख को टालमटोल किया जा रहा था जिस संबंध में उच्च अधिकारियों को जांच की तारीख टालमटोल करने की बात कही गई तो वन परिक्षेत्र अधिकारी बमनी को आन फान में मौका स्थल पर ग्रामीणों के साथ पहुंचे वन परिक्षेत्र अधिकारी अपने अमले के साथ ग्रामीणों को साथ लाना इसलिए जरूरी भी था क्योंकि अंधाधुन अवैध कटाई की भनक पहले ही लग चुकी थी मौका स्थल में भारी भरकम सागौन के बेस कीमती वृक्षों के कटे ठूंठों को देखकर रेंजर साहब का पारा गर्म हो गया अपनी नाकामी को देखकर बौखलाहट में जांच करने के बजाय ग्रामीणों को उत्साकर शिकायतकर्ताओं से ही अभद्रता दुर्व्यवहार करने में उतर आए ग्रामीणों का उकसावे में आना इसलिए भी लाजमी है क्योंकि वन्य कर्मियों के द्वारा ग्रामीणों के घर का सर्च करने की धमकी दी जाती है।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में समाजशास्त्र शोध केन्द्र हेतु निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय के आदेश के परिपालन में शासकीय कमला नेहरू

कन्या महाविद्यालय में समाजशास्त्र विषय में शोध केन्द्र स्थापित किये जाने के संबंध में गुरुवार को निरीक्षण दल द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. एस.एस. ठाकुर एवं प्रो. रुचि घोष विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान दल द्वारा महाविद्यालय की लाइब्रेरी में समाजशास्त्र विषय से संबंधित ऑफलाइन एवं ऑनलाइन पुस्तकों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही महाविद्यालय स्थित प्रस्तावित शोध केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का भी विस्तृत अवलोकन किया गया। इस अवसर पर निरीक्षण दल ने एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं से संवाद करते हुए शोध केन्द्र के महत्व पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं को शोध कार्य के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागड़े, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार मासुलकर तथा समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष सचिन्द्र कुमार पटलिया सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

नामांकन सहित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी ने दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के सभागार मे आज दिनांक 8 मार्च 2026, दिन शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा स्कूलों मे नामांकन,पुस्तक वितरण ,साइकिल वितरण ,छात्रवृत्ति वितरण सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विकासखंड किरनापुर और लांजी के समस्त प्राचार्यों की बैठक ली। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय ने नामांकन बढ़ाने , शत प्रतिशत पुस्तक वितरण एवं साइकल वितरण करने के निर्देश दिए। इस संबंध

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से आई टी सेल कॉर्डिनेटर श्री कमलनाथ पाराशर द्वारा प्रत्येक स्कूल के नामांकन की स्थिति को पोर्टल पर आ रही समस्या का समाधान किया गया एवं जिनके नामांकन कम थे, उन्हें स्वयं सामने से नामांकन करने निर्देशित किया गया। बैठक में श्री सी एस मरावी सहायक संचालक भी उपस्थित होकर प्रत्येक योजनाओं को शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु समाधान दिया गया। इस दौरान प्रभारी विकासखण्ड अधिकारी किरनापुर गणेश प्रसाद सोनी, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर प्राचार्य अनिता तारन एवं विकासखण्ड के विभिन्न शालाओं के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता

9993282223

9425139875

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670

ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज़ गैलरी

दो मोटर साइकिलों की भिड़ंत में दो लोग गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के पीपलगांव मार्ग पर गुरुवार शाम दो मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 50 जेड के 3458 एवं एमपी 50 जेड जी 6785 की आमने सामने की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस सड़क दुर्घटना में एक मोटर साइकिल सवार दंपती घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा तेज गति और गलत दिशा से की गई लापरवाह ओवरटेकिंग के कारण हुआ। दुर्घटना के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक सावरी खुर्द निवासी रवि जामरे अपनी पत्नी नंदनी जामरे के साथ पीपलगांव स्थित ससुराल किसी दस्तावेजी कार्य से गए हुए थे। शाम करीब 4 बजे दोनों मोटर साइकिल से वापस लांजी लौट रहे थे। इसी दौरान पीपलगांव के पहले तीखे मोड़ पर सोनेसरा की ओर जा रहे तीन मोटर साइकिल सवार युवकों ने उनकी मोटर साइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीनों युवक तेज रफ्तार में चलाते हुए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे। मोड़ पर संतुलन बिगड़ने और सामने से आ रही मोटर साइकिल को पर्याप्त जगह नहीं मिलने के कारण सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रवि जामरे सड़क पर गिर पड़े, जिससे उनके दाहिने पैर में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। वहीं उनकी पत्नी नंदनी जामरे को भी शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद मोटर साइकिल सवार दीपक और उसका एक साथी मौके से फरार हो गए, जबकि ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान मोनू दखेमाल के रूप में हुई है, जिसे बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इधर ग्रामीणों ने पीपलगांव मार्ग पर लगातार बढ़ रही लापरवाह वाहन चालकों की गतिविधियों पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई और नियमित निगरानी की मांग की है।

जिला कांग्रेस कार्यालय में नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

संगठन मजबूती और अनुशासन पर दिया गया जोर, कई वरिष्ठ नेता कार्यक्रम से रहे नदारद

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट द्वारा स्थानीय जिला कांग्रेस कार्यालय में नव नियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नव नियुक्त पदाधिकारियों का साल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत और सम्मान किया गया। समारोह में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव सुश्री हीना कावरे, बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे तथा पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पा बिसेन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने और आने वाले चुनावों में पार्टी को बेहतर स्थिति में लाने को लेकर अपने विचार रखे। मंच से कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा जब कार्यकर्ता अनुशासन, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ पार्टी हित में कार्य करेंगे। इस पूरे विषय को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि लंबे समय से नव नियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पाया था। इसी को ध्यान में रखते हुए कम समय में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी

पदाधिकारियों का सम्मान कर उन्हें संगठन के प्रति सक्रिय और अनुशासित रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कांग्रेस की एक और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें नव नियुक्त पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां और दायित्व सौंपे जाएंगे। संगठन स्तर पर कार्यों का विभाजन कर सभी को सक्रिय रूप से मैदान में उतारा जाएगा, ताकि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जा सके। हालांकि कार्यक्रम के दौरान एक बात चर्चा का विषय बनी रही कि सम्मान समारोह में मुख्य रूप से केवल जिला कार्यकारिणी के नव नियुक्त पदाधिकारी ही उपस्थित नजर आए। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पुराने कार्यकर्ता और जिले के कई चर्चित चेहरे कार्यक्रम से दूरी बनाए हुए दिखाई दिए। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि जिन पदाधिकारियों का सम्मान किया जा रहा था, वही एक-दूसरे का स्वागत और सम्मान करते नजर आए। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की गैरमौजूदगी ने कार्यक्रम को लेकर कई सवाल भी खड़े कर दिए। गौरतलब है कि बीते कुछ समय से जिला कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी की चर्चाएं लगातार सामने आती रही हैं। हाल ही में कांग्रेस विधायक समर्थकों और जिला पंचायत अध्यक्ष समर्थक गुटों के बीच बयानबाजी और मतभेद की खबरें भी चर्चा में रही थीं। ऐसे में यह सम्मान समारोह संगठन को एकजुट करने और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष आगामी दिनों में नव नियुक्त पदाधिकारियों को किस प्रकार की जिम्मेदारियां सौंपते हैं और क्या कांग्रेस संगठन वास्तव में गुटबाजी से बाहर निकलकर एकजुट होकर मैदान में उतर पाता है या नहीं।

केवायसी कराने बैंक गई पत्नी, अचानक हो गई लापता

गुमशुदा पत्नी की तलाश में दर दर भटक रहा पति, एसपी कार्यालय में ज्ञापन सौपकर पत्नी को ढूढ़ने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में केवायसी कराने बैंक गई एक महिला के अचानक से लापता होने का एक मामला सामने आया है।जिसमे महिला के पति ने पत्नी को खोजकर वापस लाने की गुहार प्रशासन से लगाई है।इस मामले में नगर के गंगानगर निवासी महिला के पति विजय मलघाटी ने अपने 2 छोटे बच्चों का हवाला देते हुए उसकी पत्नी बरखा मलघाटी के गुम होने, उसका कही कोई पता न लगने, ढूढने पर भी ना मिलने और उसका मोबाईल लगातार न.बंद बताने आदि की जानकारी देते हुए, थाने में आवेदन देने के बाद भी अब तक इस मामले में कोई कार्यवाही नही होने की शिकायत शुक्रवार को एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर की है।पति की केवल इतनी मांग है कि पत्नी को पुलिस ढूंढकर, वापस लाए। जिससे 12 और 7 वर्ष के बच्चों को मां मिल सके।आवेदक पति विजय के अनुसार उसकी पत्नी 5 मई से लापता है।जिसे पुलिस अब तक खोजने में नाकाम रही है।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए उन्होंने कार्यवाही तेज कर उनकी पत्नी का पता लगाकर, यथाशीघ्र उसे वापस लाने की मांग की है।

पुलिस नही कर रही कार्यवाही- मलघाटी

गुम हुई महिला के पति विजय मलघाटी ने एसपी कार्यालय में सौपे ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया कि वह अपनी पत्नि एंव अपने दो अवयस्क बच्चे गौरव मलघाटी आयु 12

वर्ष, ,रौनक मलघाटी आयु 07 वर्ष एंव अपनी माता श्रीमती रेखा मलघाटी के साथ वार्ड नं. 13 गंगानगर बूढ़ी में निवास करता है।5 मई को मै अपनी पत्नि श्रीमती बरखा मलघाटी के साथ लगभग 12.45 बजे यूनियन बैंक गया था। जिसके पश्चात 01 बजे मै अपनी पत्नि बरखा मलघाटी को बैंक में के.वाय.सी. करवाने के लिए छोड़कर अपने काम मे चला गया था, जिसके पश्चात लगभग 01.39 बजे मेरी पत्नि का मुझे फोन आया, उसके द्वारा कहा गया कि मै साई कैफे जा रही हूँ, के.वाय.सी. नही हो रही है, फिर कुछ देर बाद करीबन 01.55 बजे फोन आया कि यहा भी के.वाय.सी. नही हो रही है, मै पोस्ट ऑफिस जा रही हूँ, जिसके पश्चात मेरे द्वारा लगभग 02.30 बजे अपनी पत्नि को फोन लगाया गया तो उसका फोन बंद आया, जिसमे पश्चात मैने पोस्ट आफिस बालाघाट मे जाकर देखा तो वो वहा पर नही थी, जिसके पश्चात मेरे द्वारा अपने दोस्त अनिल यादव को फोन करके बोला कि तुम घर जाओ और पुछो कि बरखा घर आई है क्या, तब मेरे दोस्त अनिल यादव ने घर जाकर मेरी माता से बात कराया तो उनके द्वारा बताया गया कि बरखा घर नही आयी है। जिसमे पश्चात मेरे द्वारा अपने ससुराल मे एंव बस स्टेंड, रेल्वे स्टेशन एंव अन्य स्थानो मे अपनी पत्नि की खोजबीन कि, किंतु उसका कोई पता नही चला, जिसके पश्चात मैने पुलिस थाना कोतवाली मे जाकर अपनी पत्नि बरखा मलघाटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस थाना कोतवाली द्वारा उक्त घटना से संबंधित किसी प्रकार की कोई ठोस कार्यवाही नही की जा रही है ना ही उनके द्वारा आज दिनांक तक सी.डी.आर. रिपोर्ट निकाली गई है, पुलिस थाना कोतवाली द्वारा घटना की जाँच करने मे आनाकानी की जा रही है, जिससे मै संतुष्ट नही हूं। मै, मेरे अवयस्क बच्चे एंव मेरा परिवार काफी भयभीत एंव परेशान है।मांग है कि घटना की जाँच कर तत्काल उचित कार्यवाही करने हेतु पुलिस थाना कोतवाली बालाघाट को आदेशित किया जाए ताकि ताकि उन्हें उनकी पत्नी मिल सके।

बाढ़ और आपदा से निपटने जवानों को दिया जा रहा विशेष तैराकी प्रशिक्षण

शंकर घाट में तीन चरणों में चल रहा प्रशिक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों में की जाएगी प्रशिक्षित जवानों की तैनाती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी मानसून, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए जिला बालाघाट में आपदा प्रबंधन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। डायरेक्टर जनरल होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं एसडीईआरएफ, कलेक्टर बालाघाट तथा डिवीजनल कमांडेंट जबलपुर के निर्देशानुसार

होमगार्ड, एसडीईआरएफ एवं सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स के लिए विशेष तैराकी एवं रेस्क्यू प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम सत्र 7 मई से 9 मई तक, द्वितीय सत्र 11 मई से 13 मई तक तथा तृतीय सत्र 15 मई से 17 मई तक चलेगा। प्रत्येक सत्र तीन दिवसीय रखा गया है। प्रशिक्षण का आयोजन स्थानीय शंकर घाट में किया जा रहा है, जहां जवानों को जल आपदा से बचाव एवं राहत कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को वाटर बॉडी की पहचान, तैराकी की विभिन्न तकनीक, पानी में सुरक्षित तरीके से उतरने की विधि, तैराकी अभ्यास, रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उपयोग में आने वाले उपकरणों का संचालन तथा आपदा के समय सुरक्षा और बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही जवानों को वास्तविक परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्य करने का अभ्यास भी कराया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रशिक्षित जवानों को जिले के बाढ़ संभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में स्थापित डीआरसी सेंटरों में तैनात किया जाएगा, ताकि आपदा की स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य किया जा सके। यह प्रशिक्षण जिला सेनानी के मार्गदर्शन में अर्चना भोरजार, श्याम सिंह धुर्वे एवं महेश उइके द्वारा संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जवानों में उत्साह देखने को मिला और आपदा प्रबंधन को लेकर गंभीरता के साथ अभ्यास कराया गया।

लापता छात्रा- असाइनमेंट जमा करने कॉलेज निकली 23 वर्षीय निकिता घर नहीं लौटी खैरलांजी पुलिस ने शुरू की तलाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी क्षेत्र से एक चिंताजनक मामला सामने आया है। घर से कॉलेज असाइनमेंट जमा करने निकली एमए की छात्रा 7 मई

से लापता है। परिजनों की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक लापता छात्रा का नाम निकिता पिता राधेश्याम बहेटवार 23 वर्ष है। वह खैरलांजी के वार्ड नंबर 2 की निवासी है। निकिता के माता-पिता खेती-किसानी करते हैं और बेटी को उच्च शिक्षा दिला रहे हैं। निकिता बालाघाट पीजी कॉलेज से एमए की पढ़ाई कर रही है। 7 मई 2026 को सुबह करीब 11 बजे निकिता असाइनमेंट जमा करने के लिए बालाघाट कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी। शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन नंबर स्विच ऑफ मिला। परिजनों ने रिश्तेदारों, आसपास और निकिता के परिचितों से संपर्क किये। मगर कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 8 मई को खैरलांजी पुलिस थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। खैरलांजी पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 23/2026 कायम कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील की है।निकिता का हुलिया रंग गोरा, कद 5 फीट, शरीर सामान्य और वह टी-शर्ट और जींस पहन कर घर से निकली है।

खैरलांजी पुलिस की अपील

खैरलांजी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी को निकिता के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या खैरलांजी थाना में सूचित कर सहयोग करें।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया का राज्य स्तरीय विशाल बौद्ध महासम्मेलन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय पेट्रान - महाउपासिका मीराताई आम्बेडकर के निर्देशानुसार बालाघाट जिले की विभिन्न 10 तहसील/सर्कल में 10 दिवसीय श्रामनेर -बोद्धाचार्य धम्म प्रशिक्षण शिविर,समता सैनिक दल का प्रशिक्षण शिविर एवं दस दिवसीय उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविरो के समापन अवसर पर जिले के लांजी तहसील मुख्यालय में विशाल राज्य स्तरीय बौद्ध महासम्मेलन का आयोजन किया गया था,इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.बोधिसत्व बाबा साहब आंबेडकर जी के नाती भारतीय बौद्ध महासभा के ट्रस्टी राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष,समता सैनिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भीमराव य.आम्बेडकर साहेब के आगमन पर नागपुर हवाई अड्डे से लेकर जिले के रजेगांव ,देवगांव,किरनापुर,सेवती,भानेगांव,लांजी में भव्य स्वागत किया गया।तमाम अतिथियों के मंचासीन होने के पश्चात् तथागत भगवान बुद्ध एवंडॉ.आम्बेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गयी ,तदुपरांत पूज्य भन्ते द्वारा सामुहिक बुद्ध वंदना करायी गयी ,तत्पश्चात् मंचासीन अतिथियों का स्वागत कराया गया ,इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ.भीमराव आम्बेडकर साहेब द्वारा कहा कि भारतीय बौद्ध महासभा का अधिवेशन धम्म क्रांति

गतिमान करने में कारगर साबित होगा महाराष्ट्र मध्यप्रदेश में बौद्धों की संख्या करो ?! में है ,देश में बौद्धों की संख्या शासन के रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु जनगणना के दौरान धर्म के कालम में बौद्ध भाषा के कालम में पाली एवं जाति के कॉलम में अपनी जाति लिखने का आव्हान किया ताकि बौद्धों की सही जानकारी शासन प्रशासन को प्राप्त हो, देश में बौद्धो की संख्या बढ़ेगी तभी बोद्धगया का महाबोधी महाविहार अपने कब्जे में ले सकेंगे, जिसके लिये भारतीय बौद्ध महासभा का संघर्ष निरंतर जारी है ,हम महाबोधी महाविहार लेकर रहने का संकल्प लेते हैं ,देश की व्यवस्था पर बोलते हुये कहा डॉ.बाबा साहब आम्बेडकर द्वारा हमें भारतीय संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता को धर्म निरपेक्ष महत्व देते हुये सेक्युलर धर्म निरपेक्ष किया ,भगवान बुद्ध एवं बाबा साहब आम्बेडकर द्वारा समाज में बदलाव लाया जिसे धम्म क्रांति के रूप में माना जाता है ।

अन्य वक्ताओं ने भी रखे विचार

कैप्टन प्रवीण निखाड़े द्वारा कहा कि डॉ.बाबा साहब आम्बेडकर संविधान निर्माता नहीं उच्च कोटि के विद्वान ,दर्शनिक इतिहासकार ,सांसद , वकील ,प्रवक्ता लेखक थे ,उनके द्वारा समाज समता स्वतंत्रता ,बधुत्वता व न्याय की प्रस्थापना की,महाबोधि विहार बौद्धों का है उसे लेकर रहेंगे। अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे ने उद्बोधन में बताया कि संस्था के प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन से ही बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब के सम्यक संकल्प को पूरा किया जा सकता है, डॉ जगदीश गवई द्वारा तथागत भगवान बुद्ध के बहुजन हिताय बहुजन सुखाय के संदेश को घर -घर पहुचाने की आवश्यकता बतायी ,बी.एच.गायकवाड़ द्वारा कहा कि बुद्ध के अनुसार मन की हिंसा ,ईर्ष्या ,क्रोध ,लोभ और अहंकार ही मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु बताते हुये बुद्ध के विचारों पर चलने की आवश्यकता बतायी ,प्रदेश सचिव एड.रमेश लोखंडे द्वारा डॉ.बाबा साहब आम्बेडकर द्वारा स्थापित भारतीय बौद्ध महासभा के सदस्य बनने की अपील की।बताया गया कि इतिहास में पहली बार मप्र के बालाघाट जिले में एक साथ दस दिन के 11 शिविर दस स्थानों पर आयोजित करने का रिकॉर्ड मप्र में पहली बार हुआ था।इस महासम्मेलन को सफल बनाने में सभी संगठनो के पदाधिकारियों, जिले के सभी तहसील,सर्कल,ग्राम तथा महिला मंडल द्वारा इस आयोजन में भरपूर सहयोग दिया गया। जिसके लिए मप्र एवं जिला शाखा द्वारा सभी को साधुवाद प्रेषित कर समारोह समापन की घोषणा की गई।उक्त जानकारी जिला अध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम द्वारा प्रेसविज्ञप्ति कर दी गई।

स्वीकृति के बाद भी अधर में ददिया-देवरी मार्ग, बारिश में संपर्क टूटने का खतरा

विधायक के प्रयासों से मिली मंजूरी, पर टेंडर और निर्माण की सुस्त रफ्तार से ग्रामीणों में भारी आक्रोश, ग्रामीण एवं राहगीरो ने ददिया से देवरी पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. की दूरी पर स्थित ग्राम ददिया से देवरी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग वर्तमान में बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। सर्राटी नदी के किनारे से गुजरा यह मार्ग पिछले वर्ष हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण मिट्टी के कटाव की भेंट चढ़ गया था। स्थिति यह है कि सड़क का एक बड़ा हिस्सा नदी में जा चुका है और अब यहां केवल संकरा रास्ता ही बचा है। जिस स्थान से सड़क के नीचे की मिट्टी धसक चुकी है उस स्थान पर कोई संकेतक बोर्ड भी नही लगाया गया है। जबकि इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते है। सड़क का खस्ताहाल हो जाने के कारण हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयासों से इस सड़क की पूर्व में स्वीकृति दिलवाई है और इस मार्ग का निर्माण के लिए ४३६.५० करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। लेकिन स्वीकृति मिलने के करीब ४ माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक निर्माण कार्य शुरू नही हुआ है, जिससे लोगों मे आक्रोश व्याप्त है। यदि आगामी मानसून(बरसात) के पूर्व इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू नही किया गया तो सड़क धस जायेगी जिससे दर्जनों गांवों का संपर्क पूरी तरह से कट जायेगा।ऐसी स्थिति में सभी को आवागमन करने मे परेशानी होगी और जिस स्थान से सड़क कट चुकी है उसके सामने स्थित मकान में बरसात के दिनों में पानी पहुंच सकता था जिससे मकान को भी काफी नुकसान होने की संभावना बनी हुई है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से ददिया से देवरी पहुंच मार्ग स्वीकृत हो चुकी है तो जल्द निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग, दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

आपको बता दे कि ददिया से देवरी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया था और यह मार्ग सर्राटी नदी के समीप से गुजरी है। नदी में बाढ़ आने पर तेज पानी के बहाव में सड़क किनारे की मिट्टी धीरे-धीरे धसकने लगी है। वहीं पिछले वर्ष सर्राटी नदी में बाढ़ आने पर सड़क का एक हिस्सा आधा से अधिक बह चुका है। लेकिन अब तक उसका मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, न ही नवीन सड़क का निर्माण किया गया है। जबकि ददिया से देवरी को जोड़ने वाला यह मार्ग क्षेत्र के लिए लाइफलाइन माना जाता है। रोजाना इस मार्ग से स्कूली बच्चें, किसान और राहगीर गुजरते हैं। यह मार्ग न केवल दो गांवों को जोड़ता है, बल्कि दर्जनों अन्य ग्रामीण अंचलों के लिए कम दूरी का रास्ता प्रदान करता है। वर्तमान में सड़क आधी बह जाने के कारण यहां हर समय बड़ी दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। रात के अंधेरे में यहां से गुजरना जान जोखिम में डालने के समान है।लेकिन इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

विधायक ने दिलाई स्वीकृति, फिर भी काम ठप

ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सड़क की समस्या की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक को पूर्व में अवगत करवाया था।विधायक के विशेष प्रयासों और शासन स्तर पर की गई पैरवी के बाद इस मार्ग के नवीन निर्माण के लिए बजट और तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।लेकिन विडंबना यह है कि स्वीकृति मिले कई माह बीत जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं हो सका है।विभाग की इस कछुआ चाल से जनता में भारी नाराजगी व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अगर जून की बारिश से पहले रिटेनिंगवॉल (सुरक्षा दीवार) और सड़क का निर्माण नहीं हुआ, तो जो बचा रास्ता है वह भी नदी में बह जायेगा।ऐसी स्थिति में ग्रामीणों को अधिक दुरी तय कर आवागमन करना पड़ेगा। सड़क निर्माण के लिए शासन-प्रशास से बार-बार गुहार लगाने के बाद सड़क निर्माण स्वीकृत हुई है फिर निर्माण कार्य में देरी क्यों हो रही है। यदि बारिश के पहले काम शुरू नही हुआ तो आवागमन पूर्णतः ठप हो जायेगा।

सड़क का जल्द किया जाये निर्माण - अनवर

मोहम्मद अनवर ने बताया कि सर्राटी नदी में बाढ़ आने एवं पानी के तेज बहाव के कारण मिट्टी के कटाव से ददिया से देवरी सड़क का आधा हिस्सा बह चुका है। जिसका अब तक निर्माण कार्य नहीं किया गया है जिसे इस वर्ष की पहली बरसात में ही यह मार्ग पूरी तरह से बह जायेगी और आवागमन पूर्णता बाधित हो जायेगा। आगे बताया कि इस मार्ग से स्कूली बच्चों के साथ ही ग्रामीण व राहगीर भी आवागतन करते है और सड़क का आधा हिस्सा धसक जाने के कारण आवागमन करने में परेशानी होती है एवं किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। साथ ही सड़क स्वीकृत होने की बात कही जा रही है परंतु निर्माण कार्य नहीं हो रहा है, प्रशासन से मांग है कि सड़क का जल्द निर्माण करवाये।

सड़क निर्माण के लिए ४ करोड़ की राशि हुई है स्वीकृत - मुन्नालाल

देवरी सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले ने बताया कि ददिया से देवरी पहुंच मार्ग का निर्माण के लिए लगभग ४ करोड़ रूपये की राशि स्वीकृति होने की जानकारी मिली है परंतु यह स्वीकृति सिर्फ कागज में ही दिखाई दे रही है। मौके पर ना सांसद, ना विधायक के द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा। जिससे आने वाले बरसात में समस्या गंभीर रूप ले सकती है, हमारे द्वारा सड़क की समस्या के संबंध में कई बार जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को अवगत करवाया गया है। सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है, धरातल पर कोई काम नही हो रहा है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। श्री पटले ने बताया कि बरसात के पूर्व मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटेनिंगवॉल एवं सड़क का निर्माण नही किया गया तो सड़क धसक जायेगी जिससे आवागमन इस मार्ग से पूरी तरह से बाधित हो जायेगा। साथ ही कुछ लोगों के मकान को भी नुकसान होगा इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि सड़क स्वीकृत हो चुकी है तो जल्द निर्माण करवाये ताकि आवागमन में सुविधा हो सके।

पांढरवानी पंचायत सचिव ४ माह से लापता

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पांढरवानी में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पंचायत में पदस्थ सचिव के लंबे समय से लापता होने की खबर सामने आई।

सचिव पिछले लगभग चार महीनों से बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कार्य से नदारद हैं, जिसके बाद पंचायत प्रशासन द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। वहीं पंचायत सचिव के ४ माह से लापता हो जाने के कारण पंचायत के कार्य भी प्रभावित हो रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पांढरवानी में कार्यरत परिवीक्षाधीन सचिव रणविजय सिंह बीते २५ जनवरी २०२६ से कार्यालय में अनुपस्थित हैं। पंचायत के कार्यों में आ रही बाधा और सचिव के अचानक गायब होने से ग्रामीणों के बीच भी तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।पंचायत स्तर पर उनकी खोजबीन की काफी कोशिश की गई, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

सरपंच ने जारी किया सार्वजनिक नोटिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्राम पंचायत पांढरवानी के सरपंच अनीस खान ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर आम जनता को सूचित किया है। सरपंच श्री खान का कहना है कि सचिव रणविजय सिंह पिछले ४ महीनों से बिना किसी को बताये कार्य से विरत चल रहे हैं और उनका मोबाइल या अन्य संपर्क माध्यम भी काम नहीं कर रहा है। वहीं पंचायत द्वारा जारी सूचना पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि कोई भी व्यक्ति सचिव रणविजय सिंह से किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन न करें और न ही किसी प्रकार का पत्राचार करें। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है, तो वह स्वयं अपनी जिम्मेदारी पर करेगा, इसके लिए पंचायत जवाबदेह नहीं होगी।

प्रशासनिक कार्य प्रभावित

पांढरवानी पंचायत के सचिव के अचानक लापता होने से पंचायत के विकास कार्य और हितग्राही मूलक योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इस संबंध में वर्तमान में पंचायत का कार्यभार देख रहे प्र. सचिव कृष्णा पंचेश्वर और सरपंच अनीस खान के द्वारा उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। फिलहाल पंचायत ने इस गुमशुदगी की सूचना सार्वजनिक कर दी है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय या प्रशासनिक गड़बड़ी से बचा जा सके।

पंचायत सचिव संगठन की जिला स्तरीय बैठक आज

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में ९ मई को दोपहर १२.३० बजे से पंचायत सचिव संगठन की जिला स्तरीय बैठक आहुत की गई है। चर्चा में पंचायत सचिव संगठन के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे ने बताया कि बैठक में सेवा काल की गणना नियुक्ति दिनांक से किये जाने संबंधी कोर्ट में दायर याचिका पर प्रदेश स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार चर्चा की जायेगी। इसके साथ ही संगठन की अन्य लंबित प्रदेश स्तरीय मांगों पर भी विचार-विमर्श किया जायेगा। साथ ही उन्होंने सभी पंचायत सचिव साथियों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में शामिल होने तथा अपने अन्य साथियों को भी बैठक की जानकारी देने की अपील की है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी सचिव साथी पर बैठक में आने के लिए किसी प्रकार का दबाव न बनाये जाये और सभी साथी स्वेच्छा से शामिल हो।

खिलाड़ियों ने साइकिलिंग के माध्यम से ग्रामीणों को खेल, फिटनेस, स्वास्थ्य, स्वच्छता अभियान के प्रति किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आरोह २०२६ जिला खेल और युवा कल्याण विभाग बालाघाट के द्वारा विकासखंड लालबर्रा ग्राम पंचायत औल्याकन्हार फिजिकल क्लब लालबर्रा में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन गत दिवस से जारी है। जिसमें खिलाड़ी समर कैंप के माध्यम से सीख रहे खेल की बारीकियां। साथ ही प्रतिदिन बच्चों व खिलाड़ियों को विशेष अतिथियों के द्वारा विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों, फिट इंडिया, खेल, अन्य विषय पर जानकारी दे रहे है और प्रतिदिन पौष्टिक आहार के साथ ताजा दूध पिलाया जा रहा है। आरोह २०२६ खेल शिविर का सातवें दिन गुरूवार को सभी बच्चों को साइकलिंग करवाई गई। इस साइकिलिंग के माध्यम से खिलाड़ी एवं बच्चों ने ग्राम का भ्रमण करते हुए ग्रामीणों को खेल, फिटनेस, स्वास्थ्य, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण के प्रति नारे लगाकर जागरूक किया। वहीं पीएचई विभाग के कमल सिंह उइके के द्वारा जल संरक्षण की जानकारी दी गई। साथ ही सरपंच प्रतिनिधि एवं औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के अध्यक्ष ओपी बिसेन के द्वारा सामाजिक जन जागरूकता की जानकारी दी गई। विश्व एथलेटिक्स दिवस पर शैलेश यादव के द्वारा एथलेटिक्स खेल की जानकारी विद्यार्थी एवं खिलाड़ियों को दी।वहीं समापन के अवसर पर सचिव नंदकिशोर बिसेन के द्वारा सभी खिलाड़ियों को पौष्टिक आहार के साथ ताजा दूध पिलाया गया। ब्लॉक समन्वयक लव पटेल के द्वारा बताया गया कि आरोह २०२६ ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर गत दिवस से औल्याकन्हार फिजिकल क्लब एवं हाई स्कूल खेल मैदान में जारी है। वहीं गुरूवार को औल्याकन्हार में खेल में सुबह साइकिलिंग करवाई गई।साइकिल चलाना समग्र स्वास्थ्य के लिए एक बेहतरीन व्यायाम है, जो वजन घटाने, हृदय को मजबूत बनाने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। यह जोड़ों पर कम दबाव डालता है, पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है और पूरे दिन ऊर्जावान बनाये रखने के लिए रक्त संचार को बढ़ाता है। इस शिविर में प्रशिक्षक लव पटेल नगपुरे ब्लॉक समन्वयक, राधिका नायक, शुभम बिसेन, स्वाति दमाहे के द्वारा बच्चों एवं खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां सिखाया जा रहा है और क्षेत्रभर के खिलाड़ी एवं बच्चें पहुंचकर शिविर का लाभ ले रहे है।

आंधी-तूफान से आम के पेड़ की डाल विद्युत लाइन पर गिरी, घंटों बाधित रही बिजली

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। क्षेत्र में बुधवार दोपहर आये तेज आंधी-तूफान के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ। ग्राम बेहरई के लेंडेझरी मार्ग पर सड़क किनारे स्थित एक विशाल आम के पेड़ की शाखा टूटकर आरडीएसएस पीएस प्लस एलटी लाइन के तारों पर जा गिरी। वहीं पेड़ की भारी-भरकम डाल गिरने से न केवल विद्युत तार क्षतिग्रस्त हुए, बल्कि लेंडेझरी मार्ग पर आवागमन करने वाले राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दुर्घटना के कारण ग्राम बेहरई सहित आसपास के क्षेत्रों में घंटों तक बिजली गुल रही, जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी और उमस के बीच काफी दिक्कता का सामना करना पड़ा। जिस समय पेड़ की डाल टूटकर विद्युत तार पर गिरी उस समय मार्ग से कोई गुजर नही आ रहा था, जिसके कारण किसी प्रकार का हादसा घटित नही हो पाया। वहीं विद्युत तार पर पेड़ की डाल गिर जाने से विद्युत बंद हो जाने की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा विद्युत विभाग को दी गई। जिसके बाद दुसरे दिन गुरूवार को विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तारों पर फंसी पेड़ की डाल को काटकर अलग किया गया। विद्युत लाइन की मरम्मत और सुधार कार्य पूर्ण होने के बाद ही क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी। आपूर्ति शुरू होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

रामजीटोला और लालबर्रा में भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के ग्राम रामजीटोला एवं लालबर्रा मुख्यालय में ९ मई को शाम ५ बजे से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि ९ मई को शाम ५ बजे ग्राम रामजीटोला में पानी टंकी निर्माण के लिए भूमिपूजन एवं लालबर्रा नगर के हाई स्कूल मार्ग पर हाई मास्क व स्ट्रीट लाईट एवं सभामंच का लोकार्पण शाम ६ बजे विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में किया जायेगा। इस अवसर पर उपसरपंच, समस्त पंचों एवं ग्रामीणजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सरपंच अनीस खान ने की है।

वारासिवनी पुलिस का ऑपरेशन क्लीन, सूदखोरी का जाल बिछाने वाला सुनील अरोरा गिरफ्तार

153 कोरे चेक ,15 रजिस्ट्रियां बरामद, कर्ज के बहाने गरीबों की संपत्ति हड़पने वाले गिरोह का भंडाफोड़

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी क्षेत्र में अवैध रूप से सूदखोरी का काला कारोबार करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए वारासिवनी पुलिस ने आरोपी सुनील अरोरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से उन सैकड़ों लोगों को राहत मिली है जो आरोपी के बिछाए ऋणजाल में फंसकर अपना सब कुछ गंवा चुके थे। इसमें पुलिस के द्वारा आरोपी के पास से कई प्रकार के संदिग्ध एवं संवेदनशील दस्तावेज भी बरामद किए हैं। जिसे ८ मई को वारासिवनी न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उक्त मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के द्वारा प्रेस वार्ता लेकर किया गया।

सोची समझी साजिश के तहत शोषण

पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ है कि आरोपी सुनील पिता प्रीतमलाल अरोरा उम्र ४५ वर्ष निवासी वार्ड नं.७ लालबर्रा रोड एक सुनियोजित कार्यप्रणाली के तहत लोगों को अपना शिकार बनाता था। आरोपी मजबूर लोगों को ५ से १० प्रतिशत जैसी अत्यधिक ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज देता था। जब पीड़ित कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाता तो वह डरा,धमकाकर उनका आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न शुरू कर देता था।

अपराध का तरीका चेक बाउंस के झूठे मुकदमों का डर

आरोपी केवल ब्याज नहीं वसूलता था बल्कि वह पीड़ितों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनके एटीएम कार्ड पासवर्ड सहित, हस्ताक्षरित कोरे चेक, कोरे स्टांप पेपर और जमीन की रजिस्ट्री जैसे मूल दस्तावेज अवैध रूप से अपने कब्जे में रख लेता था। इतना ही नहीं आरोपी कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए पीड़ितों के हस्ताक्षरित चेक को बैंक में डालकर खुद या अन्य माध्यमों से चेक बाउंस के झूठे मुकदमे दर्ज करवाता था। इस दबाव में आकर कई आवेदक अपनी कीमती जमीन कम दामों में बेचने को मजबूर हो जाते थे और उस राशि को भी आरोपी ब्याज के नाम पर खुद रख लेता था।

पुलिस की छापेमारी में जब्त दस्तावेजों का अंबार

विवेचना के दौरान आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में बैंक और संपत्ति संबंधी दस्तावेज बरामद किए गए हैं जो उसके अवैध कारोबार की गहराई को दर्शाते हैं। इसमें ब्लैंक चेक १५३ नग, ऋण पुस्तिका १५ नग, जमीन की रजिस्ट्री दस्तावेज १५ नग, कोरे स्टांप पेपर विभिन्न राशियों वाले २२ नग, हस्ताक्षरयुक्त कोरे कागज ७ नग सहित अन्य दस्तावेज जैसे जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रतियां, एटीएम कार्ड, एलआईसी बॉन्ड, २ मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन को पुलिस के द्वारा बरामद कर जप्त किया गया है।

यह हुई कानूनी कार्यवाही

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक १८३/२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०८,५ और ३१६,२ एवं म.प्र. ऋणियों का संरक्षण अधिनियम,१९३७ की धारा ३/४के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। वर्तमान में आरोपी पुलिस रिमांड पर है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस को अंदेशा है कि इस मामले में अभी और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। पुलिस ने अपील की है की यदि कोई अन्य व्यक्ति भी इस सूदखोर के उत्पीड़न का शिकार हुआ है तो वह निडर होकर पुलिस से संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

सुनील अरोरा गरीब एवं शासकीय कर्मचारी को सूदखोरी के रैकेट में फसाया जा रहा था-आदित्य मिश्रा

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि गरीब एवं शासकीय कर्मचारी को सूदखोरी के रैकेट में फसाया जा रहा है। मुख्य आरोपी सुनील अरोरा ६ वर्ष से अत्यधिक ऋण वसूली कर रहे थे तो इसका सत्यापन कर अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। रिमांड पर लेकर उनके घर और दुकानों सहित विभिन्न ठिकानों पर छापा मारकर दस्तावेज एकत्रित किए गए। यह नगद रुपये देते थे लोगों से ब्लैंक चेक उनका और उनकी पत्नी दोनों का लेते थे उनसे स्टांप भी खरीदवाते थे ताकि कभी कुछ हो तो फर्जी इबादत लिखी जा सके। पूरा ऋण देने पर भी लोगों की ऋण पुस्तिका यह अपने पास रखते थे उनके पास से जमीन की रजिस्ट्री भी मिली है जो उनके सहयोगी लेमन वाडीवा के नाम पर जमीन खरीदने का भी काम कर रहे थे। शासकीय नियम के तहत सीलिंग लिमिट से ज्यादा जमीन होने पर आदिवासी गैरआदिवासी को जमीन बेच सकता है उसका यह फायदा ले रहे थे। ६ रजिस्ट्री लेमन और उनकी पत्नी मंजू वड़ीवा के नाम पर थी। जिसे उन्होंने भेजा है इन्होंने लोगों के एटीएम और उनका पिन रख लिया था सैलरी आते ही राशि निकाल लेते थे। अभी इन्हें हमने रिमांड में लिया है ९ से १० बैंक खाते प्राप्त हुए हैं जिसके ट्रॉन्जैक्शन की जांच करना है कई प्रकार के दस्तावेज जिनके पास मिले हैं जिनका वेरिफिकेशन करना है। आदिवासी से आदिवासी को जमीन बेचना आसान है इसलिए यह लेमन के नाम पर जमीन करवा रहे थे।

नगर के वार्ड नं. ८ चंदोरी में महिला की संदिग्ध मौत

खिड़की पर लटका मिला महिला का शव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ८ चंदोरी में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहाँ रहने वाले राकेश सोनवाने के घर से उसकी पत्नी अनेश्वरी सोनवाने का शव बरामद हुआ है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम को जांच के लिए तैनात किया गया है। घटना में महिला के मायके पक्ष के द्वारा अपने दामाद राकेश सोनवाने पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है हालांकि पुलिस के द्वारा मामले में बारीकी से जांच की जा रही है।

विवाह के ६ साल भी पूरे नहीं हुए थे लगातार विवाद की थी जानकारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार लेंडेझरी निवासी अनेश्वरी का विवाह १२ दिसंबर २०२० को राकेश के साथ हुआ था। बताया जा रहा है कि विवाह के बाद से ही दोनों के बीच तालमेल की कमी थी और अक्सर मारपीट की नौबत आती थी। इस मामले को सुलझाने के लिए पूर्व में सामाजिक स्तर पर बैठक भी हुई थी लेकिन विवाद थमा नहीं। बीती रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ था जिसमें राकेश के द्वारा अपनी पत्नी के साथ मारपीट की गई थी। राकेश ने सुबह अपने ससुराल वालों को उनकी बेटी की तबीयत खराब होने की सूचना दी। जिस पर ८ मई की सुबह जब सूचना पाकर ससुराल पक्ष के लोग और पुलिस मौके पर पहुँचे तो दृश्य संदेहास्पद था। कमरे में टूटी हुई चूड़ियों के अवशेष बिखरे मिले जो पति पत्नी के बीच हुए शारीरिक संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। मृतिका के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस के पहुँचने से पहले ही पति ने शव को खिड़की से उतार लिया था जिससे मामला और अधिक संदिग्ध हो गया है। विवाह के ७ वर्ष के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत नवविवाहिता प्रकरण के कारण एसडीओपी अभिषेक चौधरी ,थाना प्रभारी पवन यादव और नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय स्वयं मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं।

परिजनों का गंभीर आरोप मारकर फाँसी पर लटकाया गया

अनेश्वरी के माता पिता और भाई ने आरोप लगाया है कि राकेश ने पहले अपनी पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसकी हत्या की और फिर मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसे खिड़की पर साड़ी के फंदे से लटका दिया। पुलिस ने संदेह के आधार पर पति राकेश सोनवाने को हिरासत में ले लिया है। शव को एफएसएल एवं पुलिस जांच के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि एफएसएल रिपोर्ट और पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी और अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

जवाई ने हमारी बेटी को मारा है- पूरनलाल कोहरे

पूरनलाल कोहरे ने बताया कि मृतिका मेरी भतीजी है सुबह फोन करीब ७ बजे आया तबीयत खराब है। तो हमारे घर के लड़के ने यहां आकर देखा तो मौत हो गई थी उन्होंने घर पर फोन किया तो हम सभी यहां पर आए। तब तक शव को नीचे उतार कर सुला दिया गया था फिर हमारे बाद पुलिस आई हम लोगों ने पूछे तो जवाई ने बताया कि नीचे सुला दिया। वर्ष २०२० में इनका विवाह हुआ था जवाई ने हमारी बेटी को मारा है लड़की को हर समय मारपीट करता रहता था। अभी फिर झगड़ा हुआ था यह लोग फांसी बता रहे हैं। लड़की कई बार हमें बताई की शारीरिक मानसिक प्रताड़ित करता है तो हमने उसके लिए गांव में पहले मीटिंग भी रखे थे। जवाई से तलाक भी मांगा गया परंतु वह देता नहीं है इनके दो बच्चे हैं हम यही चाहते हैं कि हमें न्याय मिले।

एक बार इनकी आपसी लड़ाई की बैठक में आया था-संजय बिसेन

सरपंच प्रतिनिधि संजय बिसेन ने बताया की सुबह लड़की के चाचा ने फोन करके बताया कि हमारी भतीजी को जवाई ने मारपीट कर मार डाला है। तो हम यहां पर सभी आए फिर पुलिस आई और जवाई को थाने ले जा ली। एक बार इनकी आपसी लड़ाई हुई थी जिसमें बैठक रखी गई थी तो उसमें मेरा एक बार आना हुआ था। उस समय समझाया गया था फिर जवाई हमारे गांव में रहे काम करें अच्छे से रह रहे थे यह १ साल पुरानी बात है और आज फिर यह हो गया है।

मामले में जांच चल रही है-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि कटंगी रोड़ पर वार्ड नंबर ८ जनवरी में महिला अनेश्वरी और उसके पति राकेश सोनवाने इनकी शादी को करीब ६ वर्ष हो गए हैं। महिला का शव उसके कमरे में मिला है नवविवाहिता का यह मामला है जिसमें विवेचना की जा रही है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा अभी घटना स्थल पर साक्ष्य जुटा रहे हैं और मामले में जांच चल रही है।

प्रेम प्रसंग का खूनी अंत तरुण हत्याकांड का ४८ घंटे में खुलासा, ५ आरोपी गिरफ्तार

हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने की साजिश नाकाम, प्रेमिका के भाइयों ने साथियों के संग मिलकर उतारा मौत के घाट

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस ने ग्राम गर्राबोड़ी के पास हुए अंधे हत्याकांड की गुत्थी को महज ४८ घंटों में सुलझा लिया है। खैरलांजी निवासी २३ वर्षीय युवक तरुण लिल्हारे की मौत कोई सड़क दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या थी। पुलिस ने इस मामले में प्रेमिका के दो सगे भाइयों सहित कुल ५ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर दिया।

सड़क किनारे मिला था शव, जांच में बदला मामला

बुधवार की सुबह गर्राबोड़ी के पास पट मैदान की झाड़ियों में ग्रामीणों ने एक युवक का अर्धनग्न शव देखा। चौंकाने वाली बात यह थी कि मृतक की बाइक उसके ऊपर ही गिरी हुई थी। पुलिस को सूचना मिली की गर्राबोड़ी जंगल मार्ग पर एक युवक अपनी मोटरसाइकिल के साथ संदिग्ध अवस्था में पड़ा है। पुलिस जब मौके पर पहुँची तो मृतक की पहचान तरुण पिता टोपसिंह लिल्हारे २३ वर्ष निवासी खैरलांजी के रूप में हुई। मौके पर मृतक का मोबाइल टूटा हुआ था और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की प्रकृति होमिसाइडल यानि हत्या पाए जाने के बाद पुलिस ने धारा १०३,१ बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

शादी समारोह की वीडियोग्राफी और सीडीआर ने खोला राज

मृतक तरुण लिल्हारे मंगलवार की रात १० बजे घर से शादी में जाने का कहकर निकला था। जब वह सुबह तक नहीं लौटा तो परिजनों को उसकी मौत की खबर मिली। एसपी आदित्य मिश्रा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल कॉल डिटेल का विश्लेषण किया। जांच के दौरान घेरवाटोला में हो रहे एक शादी समारोह की वीडियोग्राफी खंगाली गई जिसमें तरुण की उपस्थिति की पुष्टि हुई। विवेचना में सामने आया कि मृतक का घेरवाटोला निवासी एक युवती से लंबे समय से प्रेम संबंध था। युवती की शादी अन्यत्र तय होने के कारण दोनों पक्षों के बीच गहरा तनाव था।

शादी स्थल के पीछे ले जाकर की बेरहमी से पिटाई

घटना वाली रात तरुण लिल्हारे उक्त शादी समारोह में पहुँचा था। वहां युवती के परिजनों के साथ उसका विवाद हुआ। इसके बाद आरोपियों ने तरुण को देखते ही उसे घर के पास एक खेत में खींच लिया। वहां उसकी लाठी डंडों और लात घूंसों से बेदम पिटाई की गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्घटना दिखाने की रची गई थी साजिश

हत्या को अंजाम देने के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से आरोपियों ने तरुण के शव को नहर की तरफ ले जाकर गाड़ी में टांगकर घसीटा और गर्राबोड़ी के सुनसान जंगल किनारे में फेंक दिया। उसकी मोटरसाइकिल सहित गर्राबोड़ी जंगल मार्ग पर सड़क किनारे फेंक दिया। उनकी योजना इसे एक सामान्य रोड़ एक्सीडेंट दर्शाने की थी लेकिन पुलिस की बारीकी और तकनीकी जांच ने इस

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

इस हत्या कांड में रामपायली पुलिस ने ५ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी के डंडे, कपड़े एवं अन्य सामग्री जब्त की है। इसमें वेदप्रकाश पिता लोटन लिल्हारे ,हरिप्रकाश पिता लोटन लिल्हारे,दिलीप पिता लक्ष्मण लिल्हारे ,कमल किशोर पिता नीलकरण लिल्हारे ,योगेश पिता छोटेलाल बसकड़े निवासी घेरवाटोला शामिल हैं। जिन्हें पुलिस के द्वारा वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया जहां न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया।

कार्यवाही में इनकी रही सराहनीय भूमिका

उक्त सफलता में एसपी आदित्य मिश्रा, एएसपी निहित उपाध्याय , एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामपायली धर्मराज बघेल ,दीपक गौतम, उपनिरीक्षक कलशराम उइके ,सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र ठाकुर ,प्रधान आरक्षक श्याम अमूले, देवेंद्र गौतम ,शैलेंद्र संयम, आरक्षक आलोक बिसेन, श्याम सिंह चौहान, नरोत्तम प्रजापति, अंकित सिंह ,संदीप कुदेरिया, रविंद्र कुमार, सौरभ शर्मा, अशोक, राजा सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

किसी की संलिप्तता पाई जाती है तो और आरोपी बढ़ेंगे-एस पी

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि रामपायली थाना क्षेत्र में दुर्घटना से मौत की सूचना ११२ को मिली थी। मौके पर जांच की तो सड़क पर घसीटने के निशान नहीं थे युवक की शर्ट दूर रखी हुई थी यह संदेहास्पद लगा। मर्ग कायम किया गया पोस्टमार्टम में हत्या निकला जैसे रीड के फ्रैक्चर ब्रेन में ब्लीडिंग तो यह हत्या करने के लिए प्रहार किए गए थे यह साधारण मारपीट नहीं थी। मृतक तरुण लिल्हारे खैरलांजी रहता था सविता लिल्हारे से प्रेम प्रसंग था ५ मई को प्रेमिका का विवाह घेरवाटोला में था। तो वह शादी में आया था जो बारात के एक वीडियो में रिकॉर्ड हुआ घर के पास का निरीक्षण किया गया तो वहां भी संघर्ष के साक्ष्य मिले। सविता और तरुण में बाते होती थी विवाह वाले दिन बात हुई तरुण जब वहां गया और सविता के कमरे के तरफ जा रहा था तब उसके भाइयों ने उसे पकड़कर अपने मित्रों के साथ मारपीट किया। जब वह मर गया तो दुर्घटना का रूप दे दिया गया घटना में सम्मिलित व्यक्तियों का पता किया जाएगा और किसी की संलिप्तता पाई जाती है तो आरोपी बढ़ेंगे।

मोहगाँव खुर्द में सजेगी आध्यात्मिक ज्ञान की गंगा : १० मई से श्रद्धालु भक्त करेंगे श्रीमद्भागवत कथा का रसपान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मोहगाँव खुर्द में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। जहाँ आगामी १० मई से १६ मई तक भव्य संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में धर्म पथिक के रूप में विख्यात राष्ट्रीय प्रवक्ता शैलेन्द्र कृष्ण वृन्दावन धाम अपने मुखारविंद से कथा की अमृत वर्षा करेंगे। यह संपूर्ण आयोजन ब्रह्मलीन संत श्री श्री १००८ श्री मौनी महाराज के आशीर्वाद और उनकी स्मृति को समर्पित है। कार्यक्रम का श्रीगणेश १० मई को होगा इस दिन ग्राम में भव्य दिव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें मातृशक्ति मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। इसके पश्चात ग्राम देवता का पूजन और श्रीमद् भागवत माहात्म्य कथा के साथ सात दिवसीय ज्ञान यज्ञ का प्रारंभ होगा। कथा के दौरान प्रतिदिन शाम ४ बजे से प्रभु इच्छा तक विभिन्न प्रसंगों का सजीव वर्णन किया जाएगा। जिसमें ११ मई को श्री परीक्षित जन्म एवं श्री शुकदेव का आगमन। १२ मई को ध्रुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र और भक्त प्रहलाद की कथा, १३ मई को गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मंथन और प्रभु श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आनंदमय उत्सव मनाया जाएगा। १४ मई को भगवान की बाल लीलाएँ, माखन चोरी और गोवर्धन पूजन, १५ मई को महारास लीला,कंस वध और श्री रुक्मणी कृष्ण विवाह का भव्य प्रसंग। १६ मई को सुदामा चरित्र, व्यास पूजन और महाप्रसाद भंडारा वितरण के साथ पूर्णाहुति की जायेगी। जिसमें क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति ने की है।

न जीता जानेवाला युद्ध

जब डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे व्यापारिक जहाजों को "मार्गदर्शन" देने के मकसद से 'ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम' का एलान किया, तो उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के किसी भी हस्तक्षेप से "बलपूर्वक" निपटा जाएगा। पिछले कुछ हफ्तों के दौरान, ट्रम्प ने तेहरान को इस जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए कई अल्टीमेटम जारी किए। तेहरान ने इस जलमार्ग को उसने 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा जंग शुरू करने के बाद बंद कर दिया था। जब ईरान ने झुकने से इनकार कर दिया, तो ट्रम्प ने इस जलडमरूमध्य को सैन्य तरीके से फिर से खोलने के वास्ते अभियान शुरू किया। लेकिन यह अभियान बमुश्किल 50 घंटे ही चला। ईरान ने इस जलडमरूमध्य में दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों पर गोलीबारी और ओमान के तट पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक टैंकर पर हमला करके जवाब दिया। अमेरिका और इजराइल दोनों के करीबी रणनीतिक साझेदार यूएई ने भी कहा कि उस पर दो बार हमले हुए। शत्रुता के बीच युद्धविराम पर दबाव बढ़ने के मद्देनजर, ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि वह "पाकिस्तान की गुजारिश पर" इस अभियान को रोक रहे हैं। यूं तो ट्रम्प इस जंग को जीतने को लेकर बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद रहना – और इसे फिर से खोलने के अभियान का तीन दिन भी नहीं चल पाना – एक बिल्कुल ही अलग जमीनी हकीकत की ओर इशारा करता है। अमेरिका न सिर्फ इस जंग के 40 दिनों के दौरान अपने घोषित मकसदों में से किसी को भी हासिल करने में नाकाम रहा है, बल्कि अब वह खुद इस जंग से पैदा हुए इस जलडमरूमध्य के बंद होने के एक संकट से भी जूझ रहा है।

इस जंग के शुरू होने के बाद से कई विरोधाभासी बयान देने वाले ट्रम्प के उलट, ईरान की मांगों में एकरूपता रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा कि उनका मुल्क अपनी मिसाइल एवं परमाणु क्षमताओं की "हिफाजत" करेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। तेहरान को लगता है कि इस जंग ने उसकी स्थिति को मजबूत किया है और वक्त उसके पक्ष में है। ट्रम्प ने कई गलत अनुमान लगाए हैं। इस जंग के पहले हफ्ते में उन्होंने कहा था कि उन्हें ईरान के "बिना शर्त आत्मसमर्पण" से कम कुछ भी मंजूर नहीं होगा। लेकिन जैसे-जैसे यह संघर्ष लंबा खिंचता गया, उन्होंने समझौते की मांग शुरू कर दी। दोनों पक्ष 8 अप्रैल को युद्धविराम पर सहमत हुए, लेकिन 12 अप्रैल को ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी लगाने वाले अमेरिका को ईरान से कोई सार्थक रियायत हासिल करने में कामयाबी नहीं मिली। उनकी बयानबाजियों के उलट, इस निरंतर चलने वाले संघर्ष में उनके पास कुछ ही मजबूत दांव हैं। अगर यह संकट जारी रहता है, तो इससे अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक नुकसान होगा। नतीजतन ट्रम्प के राष्ट्रपति पद को संभावित रूप से खतरा हो सकता है। अगर उन्होंने दोबारा जंग शुरू की, तो तेहरान खाड़ी के देशों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करेगा। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी होगा। अमेरिका इस जंग में नहीं जीत रहा है। सोशल मीडिया पर दी गई धमकियों या सैन्य भाव-भंगिमाओं से यह हकीकत नहीं बदलेगी। वाशिंगटन को यह बात समझनी चाहिए और ईरान के साथ आपसी मांगों और रियायतों पर आधारित समझौता करना चाहिए। तभी वह दुनिया की अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर धकेलने से बच सकेगा।

स्वाधीनता का अप्रतिम योद्धा : हल्दीघाटी के महानायक महाराणा प्रताप की अमर गाथा

कहते हैं कि जिस राष्ट्र के पास अपने वीरों की गाथाएँ होती हैं, उसका इतिहास कभी पराजित नहीं होता। ऐसे ही एक वीर सपूत हुए हैं-मेवाड़ के सिसौदिया राजवंश से ताल्लुक रखने वाले अदम्य साहसी और स्वाभीमानी वीर महाराणा प्रताप। पाठकों को बताता चलूं कि 9 मई को राजस्थान में मेवाड़ के गौरव कहलाने वाले, भारतीय इतिहास की शौर्य गाथाओं में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले वीर योद्धा और अदम्य साहस के प्रतीक कहलाने वाले महाराणा प्रताप की जयंती को एक प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महाराणा प्रताप का पूरा नाम महाराणा प्रताप सिंह सिसोदिया था, जिनका जन्म 9 मई,1540 को कुंभलगढ़ दुर्ग, राजस्थान में हुआ था, तथा जिनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह तथा माता का नाम रानी जयवंता बाई था। आपके बचपन का नाम कीका था,जो भील समुदाय द्वारा आपको दिया गया था। विश्व प्रसिद्ध स्वामीभक्त घोड़ा चेतक आपका सच्चा साथी था, जिसने हल्दीघाटी के युद्ध में अपनी बहादुरी का परिचय दिया था, जिससे चेतक का नाम आज भी पूरे सम्मान के साथ लिया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि घायल होने के बावजूद चेतक ने 26 फीट लंबे नाले को एक छलांग में पार कर अपने स्वामी(महाराणा प्रताप)के प्राण बचाए थे। महाराणा प्रताप ने उस दौर में मुगलों का जमकर प्रतिरोध किया, जब उत्तर भारत के लगभग-लगभग सभी राजा मुगल बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार कर चुके थे। पाठक जानते होंगे कि इतिहास के सबसे भीषण माने जाने वाले युद्ध हल्दीघाटी के युद्ध (18 जून, 1576) में महाराणा प्रताप के पास सीमित सेना थी, जबकि मुगल सेनापति मानसिंह प्रथम के पास विशाल सैन्य बल था। जानकारी मिलती है कि इस युद्ध के बाद ही प्रताप ने छापामार युद्ध (गुरिल्ला वारफेयर) की नीति अपनाई। यहां यह भी गौरतलब है कि हल्दीघाटी का युद्ध वीरता, आत्मसम्मान और अदम्य संकल्प की अमर गाथा है। इतिहास में विवरण मिलता है कि हल्दीघाटी के युद्ध के दौरान इतनी अधिक संख्या में सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे, कि वहां की मिट्टी लाल हो गई थी। युद्ध स्थल के पास आज भी एक तालाब है जिसे रक्त तलाई कहा जाता है। माना जाता है कि युद्ध के दौरान यह तालाब पूरी तरह रक्त से भर गया था। बहरहाल, यहां पाठकों को बता दूं कि इतिहासकारों के अनुसार इस युद्ध(हल्दीघाटी के युद्ध)को लेकर अलग-अलग मत हैं। सैन्य दृष्टि से मुगल सेना को बढ़त मिली, क्योंकि युद्धभूमि पर उनका नियंत्रण रहा और महाराणा प्रताप को पहाड़ों की ओर गमन करना पड़ा, लेकिन राजनीतिक और नैतिक दृष्टि से महाराणा प्रताप को पराजित नहीं माना जाता, क्योंकि वे न तो बंदी बने और न ही उन्होंने कभी मुगल शासक अकबर की अधीनता ही स्वीकार की। गौरतलब है कि युद्ध के बाद भी महाराणा प्रताप ने लंबे समय तक संघर्ष जारी रखा और मेवाड़ के बड़े हिस्से को पुन: अपने नियंत्रण में ले लिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भीलों ने महाराणा प्रताप के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राणा पूंजा उनके प्रमुख सहयोगियों में थे।

गौरतलब है कि इतिहासकार हल्दीघाटी का युद्ध को निर्णायक विजय के बजाय अनिर्णायक युद्ध या मुगलों की सामरिक जीत लेकिन प्रताप की नैतिक विजय मानते हैं। यद्यपि अकबर और महाराणा प्रताप घोर प्रतिद्वंद्वी थे, लेकिन स्वयं अकबर, महाराणा प्रताप की वीरता, स्वाभिमान और संघर्षशीलता का सम्मान करता था। सच तो यह है कि अकबर प्रताप की अदम्य स्वतंत्रता-भावना से प्रभावित बताया जाता है।कहा जाता है कि अकबर ने प्रताप के निधन का समाचार सुनकर दुख व्यक्त किया था।राजस्थानी कवि दुरसा आढ़ा ने वर्णन किया है कि अकबर ने प्रताप की मृत्यु पर कहा कि प्रताप जैसा वीर और स्वाभिमानी राजा दुर्लभ होता है।अकबर कई बार चाहता था कि महाराणा प्रताप उसकी अधीनता स्वीकार कर लें, लेकिन प्रताप ने इसे स्वीकार नहीं किया। गौरतलब है कि अकबर ने कई बार संधि प्रस्ताव भेजे, जिनमें मान सिंह प्रथम तथा राजा टोडरमल जैसे दूत शामिल थे, लेकिन प्रताप ने अधीनता स्वीकार नहीं की।इससे अकबर उनके दृढ़ चरित्र से प्रभावित था।कुछ लोकप्रिय कथनों में

अकबर द्वारा प्रताप की प्रशंसा मिलती है, लेकिन इतिहासकार मानते हैं कि इनमें से कई कथन लोककथाओं और जनश्रुतियों पर आधारित हैं, इसलिए उन्हें शाब्दिक ऐतिहासिक प्रमाण नहीं माना जाता। इतना ही नहीं, मेवाड़ का मैराथन कहे जाने वाले दिवेर के युद्ध (1582) में प्रताप ने मुगलों को बुरी तरह परास्त किया और मेवाड़ के एक बड़े हिस्से पर पुन: अधिकार कर लिया था। पाठकों को बताता चलूं कि आपने यह प्रतिज्ञा की थी कि जब तक चित्तौड़गढ़ स्वतंत्र नहीं हो जाता, वे पत्तलों पर खाना खाएंगे और घास की रोटियां खाकर जमीन पर सोएंगे।आप एक ऐसे वीर थे, जिन्होंने मेवाड़ की रक्षा खातिर अपनी सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर दिया था। ?हकीम खां सूरी आपकी सेना का नेतृत्व करने वाला एक प्रमुख सेनापति था, जो एक अफगान था। यह आपके धर्मनिरपेक्ष और योग्यता-आधारित दृष्टिकोण को दर्शाता है। गौरतलब है कि जब आपके पास संसाधनों की कमी हुई, तब प्रसिद्ध दानवीर भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति आपको समर्पित कर दी थी, जिससे 25,000 सैनिकों का खर्च 12 वर्षों तक उठाया जा सकता था।अपने अंतिम समय में महाराणा प्रताप ने चावंड को अपनी राजधानी बनाया और मेवाड़ के अधिकांश खोए हुए दुर्गों को वापस जीत लिया था। जानकारी मिलती है कि (ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार) महाराणा प्रताप लगभग 7 फीट 5 इंच लंबे थे तथा वे युद्ध में जो कवच और हथियार ले जाते थे, उनका वजन काफी अधिक होता था। मसलन, महाराणा प्रताप के बारे में यह कहा जाता है कि उनका भाला 81 किलो और छाती का कवच 72 किलो का था। कहते हैं कि यदि उनकी तलवार, ढाल और अन्य शस्त्रों को जोड़ दिया जाए, तो ये युद्ध में 200 किलो से अधिक का भार लेकर लड़ते थे। कहते हैं कि युद्ध के दौरान एक अत्यंत दुर्लभ घटना घटी थी जब महाराणा प्रताप ने मुगल सेनापति बहलोल खान पर अपनी तलवार से इतना जोरदार प्रहार किया कि खान के साथ-साथ उसके घोड़े के भी दो फाड़ हो गए थे। यह उनकी शारीरिक शक्ति का प्रमाण माना जाता है।महाराणा प्रताप ऐसे अदम्य साहसी वीर थे, जिन्होंने विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी मातृभूमि की रक्षा का संकल्प नहीं छोड़ा। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि आत्मसम्मान से बड़ा कोई धन नहीं होता। प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने महाराणा प्रताप के बारे में यह कहा है कि-महाराणा प्रताप ने कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया, यही उन्हें महान बनाता है। कर्नल जेम्स टॉड ने तो आपके बारे में यहां तक कहा है कि -राजस्थान की धरती पर प्रताप जैसा वीर पुरुष दूसरा नहीं हुआ। वहीं पर इतिहासकार गौरीशंकर हीराचंद ओझा उनके बारे में कहते हैं कि-महाराणा प्रताप भारतीय स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के अमर प्रतीक हैं। महाराणा प्रताप की मृत्यु 19 जनवरी 1597 को चावंड में हुई। माना जाता है कि शिकार के दौरान भारी धनुष खींचने से लगी अंदरूनी चोट के कारण उनका निधन हुआ। उनका अंतिम संस्कार बांडोली में किया गया।

अंत में, यहां पर यही कहूंगा कि महाराणा प्रताप का जीवन केवल हार और जीत का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि वह अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और आत्म-सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने अकबर जैसी महाशक्ति के सामने झुकने के बजाय संघर्ष का कठिन रास्ता चुना। उनका निष्कर्ष यही है कि विपरीत परिस्थितियों में भी यदि मनुष्य के पास दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो वह अपनी स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए अंत तक लड़ सकता है। वे केवल मेवाड़ के राजा नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के गौरव हैं। मां भारती के ऐसे वीर सपूत को शत शत नमन। जय-जय।

-सुनील कुमार महला

बहुमत, राज्यपाल और लोकतंत्र- सरकार गठन पर सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक कसौटी

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव परिणाम केवल सीटों की गणना नहीं होते, वे जनादेश की संवैधानिक अभिव्यक्ति होते हैं। लेकिन जब किसी विधानसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं आता, तब सबसे बड़ा प्रश्न यह खड़ा होता है कि सरकार बनाने के लिए किसे आमंत्रित किया जाए — सबसे बड़ी पार्टी को, पूर्व गठबंधन को, या उस समूह को जो बहुमत का दावा प्रस्तुत कर रहा हो? पिछले तीन दशकों में भारत ने ऐसे अनेक राजनीतिक संकट देखे हैं, जहाँ राजभवन, न्यायपालिका और राजनीतिक दल आमने-सामने खड़े दिखाई दिए। इन परिस्थितियों में सुप्रीम कोर्ट ने धीरे-धीरे एक स्पष्ट संवैधानिक सिद्धांत विकसित किया — बहुमत का परीक्षण सदन के भीतर होगा, न कि राजभवन की धारणाओं में। यह सिद्धांत केवल तकनीकी संवैधानिक व्याख्या नहीं, बल्कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की आत्मा है।

सबसे बड़ी पार्टी बनाम बहुमत का दावा

भारतीय संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा कि "सबसे बड़ी पार्टी" को स्वत: सरकार बनाने का अधिकार होगा। संविधान का वास्तविक उद्देश्य स्थिर और उत्तरदायी सरकार सुनिश्चित करना है। इसलिए यदि कोई गठबंधन या समूह सदन में बहुमत साबित करने की स्थिति में है, तो मात्र इस आधार पर उसे नकारा नहीं जा सकता कि वह अकेली सबसे बड़ी पार्टी नहीं है।हालांकि यह भी ऐतिहासिक रूप से सत्य है कि सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का न्योता देकर उसे बहुमत सिद्ध करने का मौका दिया जाता रहा है।अटलबिहारी बाजपेयी को तो लगभग 100 सीटों की कमी के बावजूद सरकार बनाने का मौका इसी आधार पर दिया गया था कि वह सबसे बड़ी पार्टी थी।बहुमत सिद्ध न कर पाने पर 13दिन में उनकी सरकार गिर गई थी। गोवा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन भाजपा गठबंधन ने बहुमत समर्थन प्रस्तुत कर दिया। राज्यपाल ने गठबंधन को आमंत्रित किया और सुप्रीम कोर्ट ने शीघ्र फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया। कर्नाटक में भी सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर थी, जबकि कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने संयुक्त समर्थन का दावा पेश किया। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया कि संवैधानिक नैतिकता का अर्थ केवल अंकगणित नहीं, बल्कि पारदर्शी बहुमत परीक्षण है।

एस.आर. बोम्मई विरुद्ध भारतीय संघ

भारतीय संवैधानिक इतिहास का मील का पत्थर है। इस फैसले ने केंद्र और राज्यों के संबंधों, राष्ट्रपति शासन और बहुमत परीक्षण की सीमाएँ तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी सरकार का बहुमत राजभवन में तय नहीं किया जा सकता, निर्वाचित सरकार को हटाने का आधार केवल राजनीतिक अनुमान नहीं हो सकता,अंतिम निर्णय विधानसभा के पटल पर ही होगा।

इस फैसले ने राज्यपाल की भूमिका को "संवैधानिक मध्यस्थ" तक सीमित करने का प्रयास किया। हालाँकि व्यवहार में यह प्रश्न आज भी विवादास्पद बना हुआ है कि क्या राज्यपाल वास्तव में निष्पक्ष संवैधानिक पदाधिकारी की तरह कार्य करते हैं या कभी-कभी राजनीतिक प्रभावों के केंद्र बन जाते हैं।

फ्लोर टेस्ट- न्यायपालिका का लोकतांत्रिक हथियार

भारत की न्यायपालिका ने पिछले वर्षों में फ्लोर टेस्ट को लोकतांत्रिक वैधता का सबसे प्रभावी साधन बनाया है।

जगदंबिका पाल.से लेकर ,महाराष्ट्र.सरकार और शिवराज सिंह चौहान तक अदालतों ने यही कहा कि

यदि बहुमत पर संदेह है, तो समाधान केवल फ्लोर टेस्ट है।

पं बंगाल में शांति व्यवस्था को अराजकता हिंसा की चुनौती

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत के बाद जिस तरह की हिंसा और तोड़फोड़ की वारदातों की झड़ी लगी है बेशक वो टीएमसी के दबंगई भरे डेढ़ दशक के खिलाफ लोगों की नाराजगी और टीएमसी कार्यकर्ताओं की सत्ता छिटकने की हताशा की प्रतिक्रिया हो सकता है लेकिन दोनों राजनीतिक दलों को संयम और समझदारी और सदाचार बनाए रखने की जरूरत है। भाजपा को भाजपा बनाए रखने के लिए इस तरह की अराजकता फैलाने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना ही होगा हालांकि यह हिंसा एकतरफा नहीं है जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए की बीती रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या की है वह बताता है कि हिंसा और अराजकता का दौर अभी थमने वाला नहीं है। कानून व्यवस्था की स्थिति को सख्ती से सुधारना होगा चुनाव बाद हिंसा में चार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

मौजूदा चुनाव नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य की राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी है।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था।उधर कोलकाता में राज्य के पुलिस डीजीपी ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद आरही हिंसक वारदातों पर उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी जारी की है दो सौ उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि चार लोगों की हिंसा में मौत हो गई है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि घटना रात 10 बजे से 10:15 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि हमले के समय गाड़ी की अगली सीट पर चंद्रनाथ रथ और उनका ड्राइवर मौजूद थे। पीछे की सीट पर मिंटू नाम का एक व्यक्ति बैठा था, जिसे चंद्रनाथ रथ का करीबी बताया जा रहा है।सूत्रों के मुताबिक जिस सिल्वर रंग की गाड़ी के जरिए चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया, उस गाड़ी के चेसिस नंबर मिटा दिए गए थे। यानि हमलावरों ने बहुत बारीकी से इस पूरे हत्याकांड की तैयारी की थी। जांच के फोकस में एक सिल्वर रंग की गाड़ी है, जिससे चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया था। रात तकरीबन 10 बजकर 20 मिनट पर चंद्रनाथ रथ की गाड़ी मेन हाईवे से उनके घर की गली की तरफ मुड़ी और घर से केवल 100 मीटर की दूरी पर इस गाड़ी को हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी के सामने लगा दिया। इसके बाद बाइक पर सवार एक हमलावर जिसने कैप पहनी हुई थी, उतरता है और ताबड़तोड़ 4 राउंड फायरिंग की। जिसमें से 3 राउंड रथ के सीने में लगा जिससे उनकी मौत हो गई और उनके ड्राइवर की हालत नाजुक है।

गौर करने वाली बात है कि चंद्रनाथ रथ वही शख्स हैं, जिन्होंने पिछले दिनों चुनाव के दौरान शुभेंदु अधिकारी का प्रतिनिधित्व करते हुए कई जगह देखे गए थे। जब ममता बनर्जी भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाखिल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे।

चंद्रनाथ रथ (42) बीजेपी नेता शुभेंदु

अधिकारी के सहायक थे। चंद्रनाथ, शुभेंदु गृह के जिले पूर्वी मिदनापुर के चांदीपुर के रहने वाले थे। चंद्रनाथ भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्होंने साल 2019 में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक के तौर पर काम शुरू किया था, जब शुभेंदु ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री थे। दिलचस्प बात यह है कि बंगाल चुनाव की मतगणना से ठीक तीन दिन पहले 30 अप्रैल को जब ममता बनर्जी शाखावत मेमोरियल हाई स्कूल स्थित भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाखिल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। शुभेंदु अधिकारी की गैर-मौजूदगी में वे मतगणना केंद्र के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, क्योंकि शुभेंदु उस रात पूर्वी मिदनापुर स्थित अपने गृह नगर कांथी के लिए रवाना हो चुके थे।

जैसा कि आप जानते हैं कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई खबरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की हत्या तब कर दी गई, जब वह न्यू टाउन में पार्टी की जीत की रैली में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। हावड़ा के उदयनारायणपुर में भाजपा कार्यकर्ता यादव बार की हत्या कर दी गई। टीएमसी के प्रवक्ता जय प्रकाश मजूमदार ने कहा, अब तक हमारे दो कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है, एक बीरभूम में और दूसरा कोलकाता में। बीरभूम में, पीड़ित की पहचान पार्टी सदस्य अबीर शेख के रूप में हुई, जबकि बेलेघाटा में टीएमसी कार्यकर्ता बिस्वजीत पटनायक की हत्या कर दी गई

पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ये मौतें राजनीति से जुड़ी थीं या नहीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने, जिन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर बात की, कहा कि कम से कम दो मामले राजनीतिक नहीं थे।अधिकारी ने कहा, शुरुआती जांच से पता चलता है कि हावड़ा में हुई हत्या राजनीतिक नहीं थी। यह निजी दुश्मनी के कारण हुई थी। बेलेघाटा में, पीड़ित छत से कूद गया, जब कुछ लोग उसे ढूंढते हुए उसके दरवाजे पर आए और वह भागने की कोशिश कर रहा था।

कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने कहा, कोलकाता के हॉग मार्केट में बुलडोजर से जुड़ी जो घटना हुई है, उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, एक हत्या हुई है, लेकिन यह गैंगवार का मामला है। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने कहा, चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य में तैनात केंद्रीय पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस की नीति सुनिश्चित करें।

उधर पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग करते हुए, कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया। हुमांयू कबीर ने आरोप लगाया कि 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुर्शिदाबाद जिले में बड़े पैमाने पर राजनीतिक रूप से प्रेरित और सुनियोजित हिंसा हुई है। अदालत में दायर याचिका में कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के घरों में तोड़फोड़ की गई और उनके कार्यकर्ताओं को पीटा गया। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ में मामला दायर कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

पश्चिम बंगाल में 2026 के चुनावी नतीजों के बाद जिस तरह की हिंसा सामने आई है, वह केवल कुछ बिखरी हुई घटनाओं का सिलसिला नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक संस्कृति के एक गहरे और जटिल संकट का संकेत है। यह परिघटना नई नहीं है; 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद भी इसी प्रकार की हिंसा ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गरिमा को गंभीर रूप से आहत किया था।

किंतु इस बार स्थिति और अधिक विडंबनापूर्ण है, क्योंकि चुनाव अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए थे और केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती ने मतदान प्रक्रिया को काफी हद तक निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त बनाए रखा था। इसके बावजूद नतीजों के बाद अचानक भड़की हिंसा यह प्रश्न खड़ा करती है कि समस्या केवल चुनावी प्रक्रिया में है, या उससे कहीं अधिक गहराई में—समाज और राजनीति की संरचना में निहित है।टीएमसी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा न देने की बात कर अपने कार्यकर्ताओं को राज्य में असंतोष और अराजकता के लिए आगाह किया है राज्य में कानून व्यवस्था और सद्भाव बनाए रखने के लिए महती प्रयास करने की जरूरत है।

- मनोज कुमार अग्रवाल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के चलते शुक्रवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में टिकाव कायम रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। उड़द व मूंग में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में तरबूज मगज में मजबूती रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में लेवाली के चलते बाजार सुधार पर रहे। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूती बनाये रहा। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। उधर, किराना जिंसों में तरबूज मगज में पूछपरख से मजबूती रही। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4190-4250, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारीक 220-380, राई दाल 90-95, सरसों दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाठव 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालू 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल - सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1620, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1390-1395, सोया रिफाइंड 1455-1460, कपास्या 1440-1450, धूलिया 1450, कड़ी 1450.

रात की धारणा - गुजरात लूज 1575, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1510-1515,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसों 7300-7500, रायड़ा 6300-6500, सोयाबीन 6400-6600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5500-5600, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबुली चना डॉलर 7600-8700, काबुली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूं पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाजार

इन्दौर । शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूत देखे गये। भाव इस प्रकार रहे - चांदी (9999) 251000, चांदी (99) 250900, टंच 250500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 152000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.41 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 45 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल होने से भी घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई करते हुए 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 516 अंक, निफ्टी 150 अंक गिरा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों नीचे आकर 77,328.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150.50 अंक फिसलकर 24,176.15 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स नीचे आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। विभिन्न क्षेत्रों की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 फीसदी, निफ्टी मेटल में

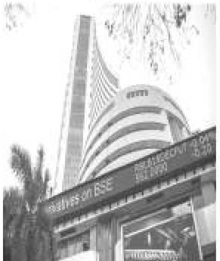

0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.29 फीसदी की गिरावट रही ।

निफ्टी पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अडाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही। इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नीचे आये। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 473 लाख करोड़ रुपए ही रहा। इस प्रकार निवेशकों को एक ही दिन में करीब 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। घरेलू निवेशकों की धारणा पर इसका विपरीत प्रभाव रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। सुबह बीएसई सेंसेक्स 77,631 के स्तर पर खुला, लेकिन खुलने के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया। सुबह सेंसेक्स 347 अंकों की गिरावट के साथ 77,496 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 24,233 के स्तर पर कमजोर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 112 अंक गिरकर 24,216 के करीब पहुंच गया।

देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज

आईएमएफ की भारत को सलाह, आम आदमी पर बढ़ सकता है बोझ

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आगामी दिनों में ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ा रहे हैं। हालांकि सरकार अब तक कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करती रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) चाहता है कि इस बढ़े हुए बोझ को उपभोक्ताओं पर डाला जाए। ईरान संकट से पहले लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल रहने वाला कच्चा तेल अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है और एक समय यह 126 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंच गया था। इस तेजी का सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ रहा है, जो खुदरा कीमतों को स्थिर रखने के लिए बढ़ी हुई लागत का बोझ स्वयं उठा रही हैं, जिससे उन पर वित्तीय दबाव बढ़ता जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में कीमतों में बदलाव का सिलसिला पहले ही शुरू हो चुका है, जैसे

हाल ही में 19 किलो वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 993 रुपए की बढ़ोतरी। इसी बीच, आईएमएफ ने भारत से अपील की है कि ईंधन की कीमतों को वैश्विक बाजार के अनुसार तय होने दिया जाए। संस्था का मानना है कि कृत्रिम मूल्य नियंत्रण लंबे समय तक संभव नहीं है और बाजार आधारित प्रणाली से मांग-आपूर्ति में संतुलन तथा ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

मेष राशि- आज का दिन सामान्य लेकिन संभलकर चलने का संकेत दे रहा है। नई प्रॉपर्टी लेने का विचार बन सकता है और लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने की कोशिश भी करेंगे। बस खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, तभी सेविंग बढ़ेगी। माता-पिता का आशीर्वाद आपके अटके काम पूरे कराएगा। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें।

वृषभ राशि- आज धैर्य ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। हर बात में बोलने से बचें, वरना उलझन बढ़ सकती है। यात्रा का प्लान फिलहाल टालना ही बेहतर रहेगा। परिवार में तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी है, नहीं तो छोटी बात भी बड़ा विवाद बन सकती है।

मिथुन राशि- आज जल्दबाजी आपको मुश्किल में डाल सकती है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। नया वाहन लेने का मन बन सकता है और समाज में आपकी पहचान मजबूत होगी। पुराने लेन-देन फिर से सिरदर्द बन सकते हैं। किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचें।

कर्क राशि- आज किस्मत आपका पूरा साथ दे रही है। जिस काम में हाथ डालेंगे, सफलता मिलने के पूरे योग हैं। जीवनसाथी की तरक्की की खबर मिल सकती है। पुरानी गलतियों से सीख लेना जरूरी होगा। हालांकि मस्ती के चक्कर में कामों में थोड़ी लापरवाही भी हो सकती है, जिससे बचना बेहतर रहेगा।

सिंह राशि- आज मन में पैसों को लेकर चिंता रह सकती है। परिवार में शादी-ब्याह की खुशखबरी माहौल को खुशनुमा बनाएगी। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा मौका मिल सकता है। मेहनत पर भरोसा रखें और गलत रास्तों से दूर रहें, वरना बाद में परेशानी बढ़ सकती है।

कन्या राशि- आज का दिन भागदौड़ से भरा रहेगा और कुछ कामों में अड़चनें आ सकती हैं। सेहत में उतार-चढ़ाव आपको परेशान कर सकता है। घर में मेहमानों के आने से रौनक बढ़ेगी, लेकिन किसी पुरानी बात पर विवाद भी हो सकता है। संतान की ओर से खुशखबरी मिलेगी और भगवान की भक्ति में मन लगेगा।

तुला राशि- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। नए लोगों से पहचान बढ़ेगी, लेकिन सतर्क रहें क्योंकि हर कोई आपका शुभचिंतक नहीं होगा। उधार लेने से बचें, वरना चुकाने में परेशानी होगी। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बन सकता है। पिताजी किसी बात पर नाराज हो सकते हैं, उन्हें मनाने की कोशिश करें।

वृश्चिक राशि- आज धन लाभ के अच्छे संकेत हैं और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके हुए काम पूरे करने में आप सफल रहेंगे। कोई कानूनी मामला सुलझाने के लिए सही सलाह मिल सकती है। काम के जरिए आपकी अलग पहचान बनेगी और यात्रा से जुड़े लोगों को बड़ा फायदा मिल सकता है।

धनु राशि- आज उन्नति के रास्ते खुल रहे हैं। पुराने दोस्त से मुलाकात आपको खुशी देगी। जीवनसाथी के साथ घूमने का प्लान बन सकता है। घर के कामों में लापरवाही परेशानी बढ़ा सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से अटके काम पूरे होंगे और छात्रों को नए मौके मिलेंगे।

मकर राशि- आज आप अपने जरूरी कामों में व्यस्त रहेंगे, लेकिन परिवार के लिए समय निकालने की कोशिश करेंगे। संतान पढ़ाई में लापरवाही कर सकती है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है। किसी दोस्त से खुशखबरी मिल सकती है। परिवार के साथ किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन खासकर राजनीति से जुड़े लोगों के लिए शानदार रहेगा। आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी नई नौकरी के लिए कदम बढ़ा सकते हैं। परिवार के मामलों में समझदारी से बात करना जरूरी है। निवेश से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

मीन राशि- आज कुछ रुकावटें आपके काम की रफ्तार को धीमा कर सकती हैं। फैसले सोच-समझकर लें और दिखावे से दूर रहें, वरना पैसा बेकार खर्च होगा। सेहत का ध्यान रखें, पुरानी परेशानी उभर सकती है। ऑफिस में जिम्मेदारियों को खुद निभाएं और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में पूरी सतर्कता बरतें।

शब्दजाल- 8253

म	क	मु	न	त	ए	आ	ज	म	त	व
द	घि	त	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	ड
र	स	त	म	दी	छ	स	आ	मं	ग	क
ई	स	त	न	दि	व	स	ध	त	श	क
छि	आ	दो	न	त	ज	ना	तू	न	झ	क
या	ल	द	र	दि	झ	उ	ती	प	घ	क
ती	व	त	मी	या	प	है	जू	बा	व	रा
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	ए	श	क
क	ड	त	प	र्द	जी	स	री	औ	प	अ
क	गॉ	त	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	द
क	ड	त	प	या	प	स	व्य	व	प	म

शब्द जाल में नौशाद द्वारा संगीतबद्ध 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रेमनगर, बैजू बावरा, दीवाना, मदर इंडिया, दिल दिया दर्द लिया, आदमी, धर्मकांटा, लव एंड गॉड, मुगल ए आजम, मेला.

शब्दजाल - 8252 का हल

दैनिक पंचांग

9 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	05.47 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	07.45 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.58 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.14 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.26 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.37 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.52 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.08 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.13 बजे से
		कुंभ	00.59 बजे से
		मीन	02.32 बजे से
		मेष	04.02 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 129 वा दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण तिथि सप्तमी 14.03 बजे को समाप्त। नक्षत्र श्रवण 23.25 बजे को समाप्त। योग शुक्ल(शुक्र) 02.56 बजे रात को समाप्त। करण बव 14.03 बजे तदन्तर बालव 02.41 बजे रात को समाप्त। चन्द्रायु 21.5 घण्टे रवि क्रान्ति उत्तर 17° 18" सूर्य उत्तरायण कलि अहर्गण 1872704 जूलियन दिन 2461169.5 कलियुग संवत् 5128 कल्पारंभ संवत् 1972949128 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1447 महीना जिलकाद तारीख 21 विशेष कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.56 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभफल श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7197

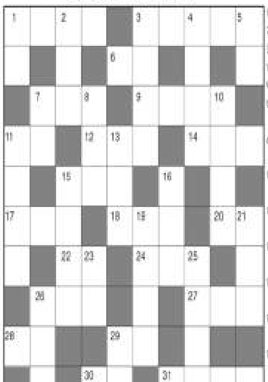

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, सैफ, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरुख, माधुरी की 'अखा बस की कैंची चली थी' गीत वाली फिल्म-५
९. 'ये चाँद जैसे' गीत वाली शाहरुख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
१२. शक्ति अनंत, करण ओबेरॉय, नेहा की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फराह की 'मेरा प्यार है जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१६. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-२
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-३
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जाता' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागों में जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अमजद खान निर्देशित फिल्म-३
२८. 'कहाँ मैं तेरा दिल तुझको' गीत वाली फिल्म-२
३०. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'नमकीन है ना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'कभी हाँ' में शर्मिला कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ले लिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना रॉय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ मेरे को करती हूं मैं' गीत वाली अब्बास, शर्मिला मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
१२. देव आनंद, मधुबाला की 'दिल के ख्याल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'अब दिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. अरबाज, सिमरन की 'न किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, अदिति, हिमानी, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रीमा लागू, मोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२४. 'पिया बोले पिया' गीत वाली फिल्म-४
२५. विश्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7196

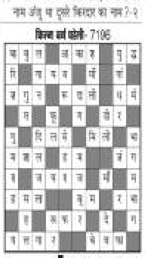

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: जज का फैसला

पी. डब्ल्यू. सिम्पस अमेरिका के मशहूर जज थे। एक बार वह अदालत से घर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी गाड़ी से टकरा कर एक व्यक्ति घायल हो गया। तत्काल भीड़ इकट्ठा हो गई और जैसा कि होता है, सभी लोग कार चालक को बुरा-भला कहने लगे। लेकिन लोगों को जब पता चला कि कार चालक कोई और नहीं जाने-माने न्यायाधीश सिम्पस हैं, तो लोग घायल व्यक्ति को ही दोषी ठहराने लगे। सिम्पस ने कहा, 'इस समय कौन दोषी है, इसका फैसला आप लोग नहीं कर सकते। इसका निर्णय तो अदालत करेगी। इस समय तो इस शख्स को इलाज की जरूरत है।' जज साहब लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले गए और उसकी मरहम पट्टी कराई। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में तैनात पुलिस से कहा, 'यह मेरी गाड़ी से घायल हुआ है, मेरे खिलाफ इसका केस दर्ज किया जाए।' पहले तो पुलिस वालों ने आनाकानी की, लेकिन सिम्पस के दबाव पर केस दर्ज हो गया। दूसरे दिन पुलिस ने उनके सामने यह केस पेश किया। इससे कुछ दिनों पहले सिम्पस ने इसी तरह के हादसे में एक व्यक्ति को 15 दिन की कैद या 15 डॉलर जुर्माने की सजा सुनाई थी। उसी फैसले को नजीर मान कर उन्होंने अपने को वही सजा सुना दी, फिर पुलिस से कहा, 'मुझे जेल ले चलो।' पुलिस वाले उच्चाधिकारियों के आदेश के बिना जज साहब को जेल कैसे ले जाते! उन्होंने इसकी सूचना मुख्य न्यायाधीश को दी। मुख्य न्यायाधीश कुछ देर बाद सिम्पस की अदालत में पहुंचे और कहा, 'हमें आप के निर्णय पर गर्व है। यदि सभी जज आप की तरह इंसाफ करने लगें तो लोगों का इंसाफ पर भरोसा और मजबूत होगा। आप ने अपना फैसला सुना दिया। अब मेरा भी फैसला सुन लीजिए।' मुख्य न्यायाधीश ने कैद की जगह 15 डॉलर का जुर्माना देकर सिम्पस को बरी करवाया। सिम्पस ने कहा, 'इंसाफ सबके लिए बराबर होना चाहिए।' यह कह कर उन्होंने 15 डॉलर चीफ जस्टिस को लौटा दिये।

सूडोकू नवताल- 7506

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 7505 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8721

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरूरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8720 का हल

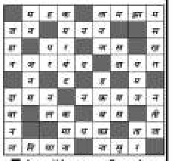

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सभामंच के सामने नाली बन गई नर्क! सुभाष चौक पर गंदगी और बदबू से परेशान दुकानदार

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी द्वारा वर्तमान में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2025 चलाया जा रहा है, जिसके लिए वृहत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। नगर में भारी संख्या में बेनर पोस्टर लगाए गए, किन्तु जमीनी स्तर पर सफाई के नाम पर कुछ भी नजर नहीं आ रहा है। नगर की सफाई में लगने वाले कर्मचारी पार्षदों व अधिकारियों के घर पर का कर रहे हैं। क्या कागजों में ही सम्पन्न हो जाएगा स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान? हमारे द्वारा रोजाना नगर की स्वच्छता को लेकर नगर परिषद का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है, देखना है कि क्या इसमें सुधार हो पाएगा। आज हम सुभाष चौक में सभामंच के सामने बनी नाली व उसमें व्याप्त गंदगी का मुद्दा उठाया गया है। नगर के सुभाष चौक पर जनपद काम्प्लेक्स के सामने बनी नाली वर्षों से टूटी-फूटी और खुली पड़ी है। सार्वजनिक शौचालय का पेशाब सीधे नाली में बहाया जा रहा है, जिसकी तेज बदबू ने पूरे इलाके के दुकानदारों और राहगीरों का जीवन दूभर कर रखा है। बार-बार शिकायतों के बावजूद नगर परिषद की अनदेखी जारी है।

बदबू से दुकानदार बेहाल

सुभाष चौक पर स्थित सभामंच के ठीक पीछे बने सार्वजनिक शौचालय का मुत्रालय का पाइप नाली में खुला है। नाली टूटी होने के कारण निकासी नहीं हो पा रही और खुली नाली में सड़क का कचरा लगातार जमा होता जा रहा है। इससे सड़क किनारे तरबूज-ककड़ी बेचने वाली महिलाएं और दुकानदार दिन-रात बदबू में सांस लेने को मजबूर हैं।

इनका कहना है

स्थानीय दुकानदार इरफान कुरैशी ने बताया, सार्वजनिक पेशाबघर का मूत्र नाली में बहाया जा रहा है। नाली टूटी हुई है, निकासी नहीं है। खुली नाली में कचरा जमा हो जाता है, जो सड़कर पेशाब के साथ मिलकर भयंकर बदबू मारता है। हवा चलते ही दुकानदार और राहगीर परेशान हो जाते हैं।

पार्थ पाण्डे ने कहा, 2022 से अब तक अनेक बार सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत कर चुका हूं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। दुकान के सामने डस्टबीन लगा दी गई है, फिर भी सफाई नहीं हो रही। शौचालय का मूत्र और जमा गंदगी लगातार बदबू फैला रही है।

गणेश-नवरात्रि में भी परेशानी

गंदगी के कारण सभामंच पर कार्यक्रम आयोजित करना मुश्किल हो गया है। गणेश पर्व और नवरात्रि के दौरान समितियों को नाली को किसी तरह ढककर कार्यक्रम चलाने पड़ते हैं। फूटपाथ पर दुकान लगाने वाली महिलाओं का कहना है कि बदबू इतनी तेज है कि गंभीर बीमारियां होने का खतरा मंडरा रहा है।

दुकानदारों का सुझाव है कि यदि यहां पक्की कवर्ड नाली बना दी जाए तो उनकी परेशानी काफी हद तक कम हो सकती है।

प्रशासन पर सवाल

नगर परिषद को दर्जनों शिकायतें दी जा चुकी हैं, सीएम हेल्पलाइन पर भी मामला उठाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि कब तक चलेगी यह बदबू और लापरवाही? प्रशासन को तुरंत इस समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए, वरना स्वास्थ्य संकट गहरा सकता है।

कृषि उपज उपमंडी लांजी ने तीन प्रकरणों में 22 हजार 220 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूला

पद्मेश न्यूज। लांजी। कृषि उपज के अवैध परिवहन और राजस्व चोरी पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। मंडी नियमों के अनुसार अधिसूचित कृषि उपज का परिवहन बिना वैध अनुज्ञा पत्र, बिल अथवा आवश्यक दस्तावेजों के करना नियम विरुद्ध माना जाता है। ऐसे मामलों में मंडी प्रशासन द्वारा पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क वसूलने का प्रावधान है। इसी क्रम में उपमंडी लांजी क्षेत्र में तीन अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए कुल 22 हजार 220 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल कर शासकीय खजाने में जमा कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपाल सोनी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं भारसाधक अधिकारी मंडी बालाघाट तथा भानेश्वर प्रसाद तुरकर, सचिव कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के निर्देशन एवं कमलचंद्र सिंहसार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी के मार्गदर्शन में मंडी निरीक्षक वासुदेव बर्वे, विनोद बंसोड़ तथा सहायक उप निरीक्षक नेलचंद खारबुदे द्वारा डुडवा घाट एवं घनसा क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना मंडी अनुज्ञा पत्र के कृषि उपज का परिवहन करते पाए जाने पर नियमानुसार पांच गुना दांडिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के तहत 6 मई 2026 को वाहन क्रमांक एमएच 35 एजे 4017 में आलोक कुल्थे द्वारा गुलवा भानेगांव से गिरोला महाराष्ट्र के लिए 25 क्विंटल धान का परिवहन किया जा रहा था। आवश्यक अनुज्ञा पत्र नहीं पाए जाने पर 6 हजार रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूला गया। वहीं 7 मई 2026 को वाहन क्रमांक एमएच 35 बीजी 1482 में डेनिस पांचे द्वारा टेमनी भानेगांव से बिरसोला महाराष्ट्र के लिए 16 क्विंटल धान का परिवहन किया जा रहा था। इस मामले में 3 हजार 920 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। इसी प्रकार 8 मई 2026 को वाहन क्रमांक एमएच 35 1808 में राजेश पिता रोशनलाल, निवासी कुनबीटोला महाराष्ट्र द्वारा टेमा से आमगांव महाराष्ट्र के लिए 90 क्विंटल धान का परिवहन किया जा रहा था। मौके पर मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं मिलने पर 12 हजार 300 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूला गया। तीनों प्रकरणों में कुल 22 हजार 220 रुपये की राशि वसूल कर शासकीय खजाने में जमा कराई गई। मंडी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध परिवहन के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। मंडी प्रशासन ने व्यापारियों एवं परिवहनकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिसूचित कृषि उपज का परिवहन बिना वैध अनुज्ञा पत्र और बिल के किसी भी स्थिति में न करें, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मौसम के बदलते मिजाज से किसान परेशान

आंधी-तूफान एवं बारिश से फसलें हो रही क्षति

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में इन दिनों मौसम का बदला हुआ मिजाज किसानों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। सुबह जहां आसमान पूरी तरह साफ रहता है और तेज धूप निकलती है, वहीं दोपहर बाद गर्मी और उमस लोगों को बेहाल कर देती है। लेकिन शाम करीब 4 बजे के बाद अचानक मौसम करवट ले लेता है। आसमान में घने बादल छा जाते हैं और तेज गर्जना के साथ आंधी-तूफान एवं हल्की बारिश का दौर शुरू हो जाता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार यही स्थिति बनी हुई है। तेज हवाओं और बूंदाबांदी के कारण किसानों की कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल भीगने लगी है। कई किसान धान एवं अन्य फसलें काटकर घर लाने में जुटे हैं, लेकिन मौसम की बेरुखी उनके लिए नई मुसीबत खड़ी कर रही है। खेतों से लाई गई फसल को सुखाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि दिनभर की तेज धूप देखकर वे फसल सुखाने बाहर फैलाते हैं, लेकिन शाम होते-होते अचानक आंधी और बूंदाबांदी शुरू हो जाती है, जिससे अनाज में नमी बढ़ रही है। लगातार बदलते मौसम के कारण फसल खराब होने की आशंका भी बढ़ गई है। मौसम के इस अनिश्चित रवैये ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। एक ओर मेहनत से तैयार की गई फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती है, तो दूसरी ओर तेज हवाओं और बारिश से नुकसान का डर लगातार बना हुआ है।

क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था बदहाल, हल्की हवा चलते ही हो जाती है विद्युत गुल

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील क्षेत्र लांजी में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह बदहाल और अव्यवस्थित हो चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि हल्की हवा चलने या मामूली आंधी-तूफ ान आते ही पूरा क्षेत्र ब्लैक आउट की चपेट में आ जाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो विद्युत विभाग ने पहले से ही तय कर रखा हो कि मौसम बिगड़ते ही जनता को अंधेरे में धकेल देना है। विडंबना यह है कि विभाग वर्षभर मेंटनेंस के नाम पर घंटों विद्युत आपूर्ति बंद रखता है, लेकिन उसके बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार नजर नहीं आता। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर यह मेंटनेंस होता किस चीज का है, जब हर दूसरे दिन बिजली व्यवस्था दम तोड़ देती है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बिजली विभाग केवल बिल वसूली में तत्पर दिखाई देता है, लेकिन सुविधा देने के नाम पर उपभोक्ताओं को ठेंगा दिखाया जा रहा है। नए मीटर लगने के बाद से उपभोक्ताओं के बिजली बिल बेलगाम घोड़ों की तरह दौड़ रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार हजारों रुपये के बिलों से परेशान हैं, जबकि बदले में उन्हें मिल रही है घंटों की कटौती, लो-वोल्टेज और बार-बार का ब्लैक आउट। जनता का कहना है कि विभाग उपभोक्ताओं से पूरी रकम तो वसूल रहा है, लेकिन सेवा देने में पूरी तरह विफ ल साबित हो रहा है।

विद्युत व्यवस्था पर निर्भर व्यापारी हो रहे परेशान

सबसे ज्यादा नुकसान उन छोटे-बड़े उद्योगों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को उठाना पड़ रहा है, जिनका संचालन पूरी तरह विद्युत व्यवस्था पर निर्भर है। अचानक बिजली गुल होने से मशीनें बंद हो जाती हैं, उत्पादन प्रभावित होता है और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। कई व्यापारियों का कहना है कि अनिश्चित बिजली कटौती के कारण उनका कामकाज प्रभावित हो रहा है और ग्राहकों के सामने उनकी साख भी खराब हो रही है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब उपभोक्ता बिजली बंद होने की जानकारी लेने के लिए विभागीय कार्यालयों में संपर्क करते हैं तो उनके फ ोन तक रिसीव नहीं किए जाते। जनता घंटों परेशान रहती है, लेकिन विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की संवेदनहीनता खत्म होने का नाम नहीं ले रही।

भगवान भरोसे विद्युत व्यवस्था

लोगों का आरोप है कि विभाग ने शिकायत सुनना तक बंद कर दिया है और जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। लोगों का कहना है कि यदि विभाग हर वर्ष लाखों रुपये मेंटनेंस पर खर्च करने का दावा करता है तो फिर तारों में मामूली हवा सहने की क्षमता क्यों नहीं है? आखिर क्यों हर बारिश और आंधी के साथ पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है? लोगों ने प्रशासन और शासन से मांग की है कि लांजी की चरमराई विद्युत व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, अन्यथा आने वाले दिनों में जनता सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी।

आज राष्ट्रीय नेशनल लोक अदालत

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आज 9 मई 2026, शनिवार को व्यवहार न्यायालय लांजी सहित जिलेभर के न्यायालयों में राष्ट्रीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण एवं सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नेशनल लोक अदालत के सफल संचालन के लिए जिला न्यायालय एवं अधीनस्थ तहसील न्यायालयों में कुल 24 खंडपीठों का गठन किया गया है। व्यवहार न्यायालय लांजी में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खंडपीठ क्रमांक-16 निर्धारित की गई है। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, दिवानी मामले, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, विद्युत अधिनियम से जुड़े मामले, निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के अंतर्गत चेक बाउंस प्रकरण, वैवाहिक विवाद, श्रम एवं राजस्व संबंधी मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। इसके अलावा प्रीलिटिगेशन के तहत बैंक, विद्युत विभाग, नगरपालिका जलकर एवं संपत्तिकर वसूली तथा चेक बाउंस से जुड़े मामलों का भी निपटारा किया जाएगा। तहसील विधिक सेवा समिति, व्यवहार न्यायालय लांजी द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने लंबित न्यायालयीन अथवा प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराकर समय एवं धन की बचत करें। इच्छुक पक्षकार अपने अधिवक्ता के माध्यम से 9 मई को संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट अथवा तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के टोल फ्री नंबर 15100 पर भी निःशुल्क जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पप्पूलाल गोयल पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के बालाघाट रोड़ हाऊबाग निवासी पप्पूलाल गोयल का 8 मई शुक्रवार की सुबह 5 बजे 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार दोपहर 12:00 बजे कोटेश्वर मोक्ष धाम में किया गया। आप अपने पीछे दो पुत्र अमित गोयल, सुमित गोयल का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में इष्टमित्र, रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने शामिल होकर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मंत्री विजय शाह की बढ़ेंगी मुश्किलें, सरकार को अब अभियोजन पर लेना ही होगा निर्णय, सीएम मोहन यादव लेंगे अंतिम फैसला

भोपाल। सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के विरुद्ध अशालीन टिप्पणी के मामले में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह की मुश्किल बढ़ना तय है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्पष्ट कर दिया कि इसी वर्ष 19 जनवरी को अभियोजन की स्वीकृति पर उचित निर्णय लेने के लिए राज्य सरकार को जो निर्देश दिए गए थे, उसका पालन किया जाए यानी अब सरकार को अभियोजन पर स्वीकृति देने या न देने पर निर्णय लेना ही होगा।

विशेष जांच दल (एसआइटी) ने पूरे मामले की जांच कर अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी इसलिए मामला गृह विभाग के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग के भारसाधक मंत्री यानी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के पास अनुमोदन के लिए जाएगा। बता दें, विजय शाह ने आंबेडकर नगर (महू) के रायकुंडा गांव में 12 मई, 2025 को एक कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अशालीन टिप्पणी की थी।

हाई कोर्ट का संज्ञान और प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश

हाई कोर्ट जबलपुर ने स्वतः संज्ञान लेकर इसे सेना व महिला अधिकारी का अपमान बताया और प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए थे। 14 मई, 2025 को विजय शाह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 यानी देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालना, धारा 196(1)(ब)- सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कार्य और धारा 197(1)(स)- राष्ट्रीय एकता के प्रतिकूल आचरण के तहत केस दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट की राहत और एसआइटी का गठन

इसे विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। यहां से 19 मई, 2025 को फौरी राहत यह मिली कि गिरफ्तारी पर रोक लगा दी लेकिन जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित करने के निर्देश दिए। 19 अगस्त, 2025 को एसआइटी ने जांच करके रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंप दी, जिसमें अभियोजन की स्वीकृति की बात कही गई लेकिन राज्य सरकार ने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया था। गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की प्रति अभी प्राप्त नहीं हुई है। इसे आगामी कार्रवाई के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा जाएगा। विधि एवं विधायी विभाग से अभिमत भी लिया जा सकता है क्योंकि निर्देश उचित निर्णय लेने के हैं।

कानूनी विशेषज्ञों की राय और आगे की संभावना

पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता अजय मिश्रा का कहना है कि अभियोजन की स्वीकृति देने या न देने के संबंध में निर्णय राज्य सरकार को लेना है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद नहीं लगता है कि सरकार इसे अधिक समय तक लंबित रखेगी। चूंकि, मामला मंत्री से जुड़ा है इसलिए इस पर निर्णय मुख्यमंत्री के स्तर से होगा। अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद न्यायालय में केस चलेगा। जहां तक मंत्री पद से हटाने या त्यागपत्र देने की बात है तो यह पूरा मामला नैतिकता का है और सरकार के विवेक पर निर्भर करेगा कि वह क्या कदम उठाती है।

मप्र में सिपाहियों और इंस्पेक्टर्स को अस्थाई प्रमोशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस विभाग के हजारों कर्मचारियों को जल्द ही अस्थाई पदोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय स्तर पर इसकी तैयारी तेज कर दी गई है। प्रस्ताव के अनुसार 11 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके सिपाहियों, प्रधान आरक्षकों और निरीक्षकों को वरिष्ठता एवं सेवा रिकॉर्ड के आधार पर प्रमोशन दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय द्वारा इस आशय के निर्देश सभी जिला मुख्यालय में भेज दिए गए हैं। लंबे समय से पदोन्नति नहीं मिलने के कारण पुलिस बल में असंतोष की स्थिति बनी हुई थी। जिसे देखते हुए सरकार ने प्रक्रिया को गति दी है। इस संबंध में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भी आदेश जारी किए थे।

जानकारी के अनुसार जिलों से पात्र कर्मचारियों की सूची मांगी गई है। विभागीय परीक्षण भी शुरू हो गया है।

मप्र में सड़क हादसों का मचा तांडव

दुर्घटनाओं में देश में दूसरे स्थान पर और मौतों में चौथे नंबर पर पहुंचा

भोपाल। प्रदेश के लिए बड़ी चिंता की बात है कि वर्ष 2024 में राज्य सड़क दुर्घटनाओं की सर्वाधिक संख्या के मामले में तमिलनाडु के बाद दूसरे स्थान पर है। मध्य प्रदेश में 55,711 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि तमिलनाडु में 67,526 हुईं। इतना ही नहीं सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बाद चौथे स्थान पर है। यहाँ 16,831 लोगों की मृत्यु हुई। यह जानकारी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की हाल में जारी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार है।

हेलमेट न पहनना मौतों का मुख्य कारण

प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाना यहाँ होने वाली मौतों के सबसे बड़े कारणों में से एक है। वर्ष 2024 में मध्य प्रदेश में सड़क हादसों में 16,831 लोगों की मौत हुई। इनमें से लगभग 53 प्रतिशत लोग दोपहिया वाहन सवार थे।

राज्य में दोपहिया वाहन सवारों की होने वाली इन मौतों में से 75 प्रतिशत मामले ऐसे थे जहाँ चालक या सवार ने हेलमेट नहीं पहना था, यानी हर चार में से तीन बिना हेलमेट वाले चालक थे। राजधानी भोपाल में भी सड़क हादसों में वृद्धि देखी गई है। शहर के कुछ क्षेत्रों (जैसे टीटी नगर और बैरागढ़) को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है, जहाँ 2024 में मौतों के आंकड़ों में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

ओवरस्पीडिंग और शराब पीकर वाहन चलाना घातक

ये आंकड़े भी डराते हैं कि मध्य प्रदेश में तेज गति की वजह से 31,554 घटनाएं हुईं, जिसमें 8,429 लोगों की जान गई। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी से 126 घटनाएं हुईं, जिसमें 15 लोगों की जान गई। प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 4,711 लोगों की जान गई जो इन सड़कों में देश में कुल मृत्यु के मामलों का 7.7 प्रतिशत है। स्टेट हाईवे में 3425 की मृत्यु के मामले सामने आए। शराब पीकर वाहन चलाने की वजह से देश में जितने लोगों की मृत्यु हुई, उनमें सर्वाधिक 13 प्रतिशत मध्य प्रदेश के थे। प्रदेश में प्रति लाख 52 लोग दुर्घटना का शिकार हुए।

बिजली गिरने से मृत्यु के सर्वाधिक मामले मध्य प्रदेश में

प्रदेश में वर्ष 2024 में दुर्घटनाओं में (यातायात हादसों के अतिरिक्त) 45,695 लोगों की जान चली गई, जो देश का 9.8 प्रतिशत है। बिजली गिरने से 430 पुरुष और 147 महिलाओं की मृत्यु हुई जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके बाद बिहार में 360 की जान गई। करंट लगने की 1,492 घटनाएं हुईं जो उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद सर्वाधिक है। इसमें 1,495 लोगों की मौत हुई। बिजली गिरने और लू के कारण प्रदेश में 1,085 लोगों की जान चली गई। ओडिशा (1,494) के बाद इस कारण से सर्वाधिक लोगों की मृत्यु मध्य प्रदेश में हुई है।

हार्ट अटैक और स्ट्रक्चर गिरने से हुई मौतें

अचानक (सडन डेथ) 4,092 लोगों की मृत्यु वर्ष 2024 में हुई। इसमें 2,115 लोगों की मौत हार्ट अटैक से हुई। स्ट्रक्चर गिरने की प्रदेश में 177 घटनाएं हुईं। महाराष्ट्र में 215 के बाद यह दूसरी बड़ी संख्या है। इससे प्रदेश में 179 लोगों की मृत्यु हुई। पुल ढहने की देश में 30 घटनाएं हुईं, उनमें मध्य प्रदेश की पांच हैं और पांच लोगों की इसमें मौत हुई है।

बाल अपराधों में मध्य प्रदेश की चिंताजनक स्थिति

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा बाल अपराधों को लेकर जारी किए गए आंकड़े प्रदेश के अभिभावकों को डराने और चेताने वाले हैं। क्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट के अनुसार, 18 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं द्वारा 3,474 अपराध किए गए, जो बिहार (5,037) और महाराष्ट्र (3,779) के बाद किसी राज्य की तीसरी बड़ी संख्या है। इनमें 4,109 आरोपित हैं। इनमें 260 मामले दुष्कर्म के हैं जो देश में सर्वाधिक हैं।

इसी तरह से खुदकुशी के लिए उकसाने के 22 मामले किशोरों के विरुद्ध दर्ज किए गए हैं, यह भी देश में सबसे बड़ी संख्या है। हत्या के 101 मामले हैं। संगठित अपराध में शामिल होने के 12 मामले सामने आए हैं, यह भी किसी राज्य की सबसे बड़ी संख्या है। हालांकि, वर्ष 2022 और 2023 की तुलना में 2024 में बाल अपराधों में कमी आई है।

पीएचक्यू में पदस्थ एएसआई को पत्थर मारने वालो की तलाश जारी

भोपाल। पीएचक्यू के कार्मिक शाखा में पदस्थ एएसआई को पत्थर मारकर घायल करने वाले फरार दोनो आरोपियो की पहचान जुटाने के लिये पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है। वारदात से पहले दोनों आरोपी युवकों को पुलिस मुख्यालय के प्रवेश मार्ग पर झगड़ा करने और शोर मचाने से रोका गया था। मामले में जहांगीराबाद थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ के भूपति परिसर में रहने वाले अर्पित गुप्ता पिता स्वर्गीय सतीश कुमार गुप्ता (33) पीएचक्यू की कार्मिक शाखा में एएसआई हैं, और बाबू का काम करते हैं। 4 मई की रात लगभग दस बजे अर्पित गुप्ता चाय पीकर वापस पुलिस मुख्यालय के गेट नंबर दो से अंदर जा रहे थे। तभी वहां पर दो बाइक सवार व्यक्ति एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज करते हुए जोर-जोर हंगामा करते नजर आये। फरियादी ने उन्हें झगड़ा करने से रोकते हुए बताया कि यह पुलिस मुख्यालय हैं। इसके बाद आरोपियों ने पत्थर मारकर अर्पित गुप्ता को घायल कर दिया और फरार हो गए। घटना में उनके सिर पर पांच टांके आए हैं। पुलिस बाइक नंबर के आधार पर आरोपियो की जानकारी जुटा रही है।

सांस्कृतिक धरोहर भावी पीढ़ियों को समृद्ध अतीत से जोड़ने का सशक्त माध्यम - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरें भावी पीढ़ियों को समृद्ध अतीत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साथ ही हमारे गौरवशाली इतिहास, ज्ञान, कला और सभ्यता की जीवंत प्रतीक हैं।इन धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन समय की आवश्यकता है, जिससे भावी पीढ़ियाँ भी अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व का अनुभव कर सकें। राज्य सरकार ''विरासत भी-विकास भी'' के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है।प्रदेश में प्राचीन मंदिरों एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पुनरुद्धार कार्य निरंतर किया जा रहा है।इन प्रयासों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन स्थापत्य कला और ऐतिहासिक धरोहरों के कारण देश में विशिष्ट पहचान रखता है। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा प्रदेश में बिखरे मंदिर अवशेषों का वैज्ञानिक पद्धति से मूल स्वरूप में पुनर्स्थापन किया जा रहा है। 'पुनर्संरचना' एवं 'एनास्टाइलोसिस' जैसी तकनीकों के माध्यम से धरोहरों की मौलिकता और ऐतिहासिकता को संरक्षित किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण और पुनर्जीवन का महत्वपूर्ण प्रयास है।

देवबड़ला और आशापुरी बने पुरातात्विक पुनरुद्धार के उत्कृष्ट उदाहरण

सीहोर जिले का देवबड़ला और रायसेन जिले का आशापुरी क्षेत्र पुरातात्विक पुनरुद्धार के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इन स्थानों की विशेषता यह है कि यहाँ मंदिरों का अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका था, किंतु उत्खनन के दौरान प्राप्त बिखरे अवशेषों एवं खंडित प्रतिमाओं को वैज्ञानिक पद्धति से एकत्रित कर पुनर्स्थापित किया गया है।

देवबड़ला में परमारकालीन मंदिरों का किया जा रहा है पुनर्स्थापन

घने जंगलों के मध्य स्थित सीहोर जिले के देवबड़ला में 11वीं शताब्दी के परमारकालीन मंदिर अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्माण कराया गया है। यहाँ 'भूमिज शैली' में निर्मित मंदिरों की 'पंच-रथ' योजना तत्कालीन उन्नत स्थापत्य कला का नमूना है। मंदिर क्रमांक-1 एवं 2 के पुनर्संरचना कार्य में मूल पत्थरों का उपयोग कर उनकी प्राचीनता को सुरक्षित रखा गया है। द्वार-शाखाओं पर उकेरी गई गंगा-यमुना की प्रतिमाएँ तथा सूक्ष्म नक्काशी इस स्थल को विशेष बनाती हैं।

आशापुरी में किया जा रहा है प्रतिहारकालीन मंदिरों का संरक्षण

रायसेन जिले का आशापुरी क्षेत्र अपने प्राचीन मंदिर समूहों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ 9वीं शताब्दी के प्रतिहारकालीन मंदिर क्रमांक-17 का पुनरुद्धार किया गया है। मंदिर के वर्गाकार गर्भगृह एवं मुखमंडप को अत्यंत सावधानीपूर्वक पुनर्स्थापित किया गया है। स्थल से प्राप्त शिव-नटेश, लक्ष्मी-नारायण तथा गजासुर संहारक शिव की प्रतिमाएँ प्रदेश की समृद्ध मूर्तिकला परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

सम्पूर्ण प्रदेश में हो रहे हैं मंदिर संरक्षण एवं पुनरुद्धार कार्य

प्रदेश में धरोहर संरक्षण एवं पुनरुद्धार के कार्य व्यापक स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में सिद्धेश्वर एवं अन्य मंदिर परिसरों का वैज्ञानिक संरक्षण किया जा रहा है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर परिसर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित किया गया है। वहीं रायसेन जिले के धवला क्षेत्र में मंदिरों की संरचनात्मक सुरक्षा एवं विशेष सफाई कार्य संपादित किए गए हैं। इन सभी स्थलों पर 'एनास्टाइलोसिस' तकनीक के माध्यम से मूल पत्थरों द्वारा पुनर्गठन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ऐतिहासिकता एवं मौलिक स्वरूप सुरक्षित बना रहे।

जंगल जल रहा, टाइगर मर रहे, वन रक्षक की हत्या और आईएफएस अफसर पांच सितारा होटल में कार्यशाला के नाम पर फेयरवेल पर उठ रहें हैं सवाल

भोपाल। मप्र के वन विभाग 8 मई को पेंच और 15 मई इंदौर के फाइव स्टार में कार्यशाला रखने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, जहां जंगल की आग और बाघों की मौत के बीच वरिष्ठ अफसर 5-सितारा होटलों में कार्यशाला बनाम विदाई समारोह में व्यस्त हैं। श्योपुर में वन रक्षक हरिकेश गुर्जर की हत्या के बावजूद, आला अधिकारी पेंच और इंदौर में विदाई पार्टियां मना रहे हैं। श्योपुर में वन रक्षक की हत्या के बावजूद, आला अधिकारी पेंच और इंदौर में विदाई पार्टियां मना रहे हैं। यानि एक तरफ फंटलाइन स्टॉफ जान जोखिम में डालकर वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा काम कर रहा है, वहीं अधिकारी [पेंच] और [इंदौर] के फाइव स्टार होटलों में कार्यशाला कर रहे हैं। कार्यशाला में अफसर की पत्नियों की उपस्थिति के औचित्य पर सवाल उठ रहें हैं। सवाल खड़े करने वाले रिटायर्ड दबंग आईएफएस आज़ाद सिंह डबास का कहना है कि जब विभाग के पास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा हो, तब पांच-सितारा होटल में कार्यशाला आयोजित करना, समय और सरकार के लाखों रुपए की बर्बादी के सिवा कुछ नहीं है।

फील्ड के अफसरों में चर्चा है कि पीसीसीएफ विकास पुरुषोत्तम धीमान इस महीने सेवानिवृत्त हो रहें हैं। इसलिए कार्यशाला के बहाने फेयरवेल इवेंट्स आयोजित करना है। जारी सर्कुलर के अनुसार 8 मई को पेंच टाइगर रिजर्व में आहूत कार्यशाला में जबलपुर, बालाघाट और सिवनी सर्किल के सीएफ और डीएफओ शामिल होऩ्ने के लिए कहा गया है । जबकि 15 मई को इंदौर में एक पांच सितारा होटल में होने वाली कार्यशाला में इंदौर, खंडवा और उज्जैन संभाग के अफसरों को बुलाया गया है। रातकालीन समय में दिन की कार्यशाला मौज-मस्ती की पाठशाला तब्दील में हो जाएगी। रिटायर्ड दबंग आईएफएस आज़ाद सिंह डबास का कहना है कि अगर पाठशाला रखना ही था तो श्योपुर -मुरैना में रखते, जहां रेत माफियाओं ने एक वनरक्षक को कुचलकर मार डाला। यदि वन बल प्रमुख शुभ रंजन सेन श्योपुर -मुरैना में कार्यशाला रखते और वन माफियाओं के खिलाफ एक्शन प्लान तैयार करते तो फंटलाइन स्टॉफ का मनोबल बढ़ता। यह कार्यशाला एक पीसीसीएफ विकास धीमान के रिटायर्ड मंथ पर मौज -मस्ती को कार्यशाला सिवा कुछ नहीं है।

असीम श्रीवास्तव के कार्यकाल में हुई थी परिपाटी

1988 बैच के आईएफएस असीम श्रीवास्तव फरवरी 2024 में वन बल प्रमुख बने। तब 1992 बैच के आईएफएस अफसर पीसीसीएफ विकास यूके सुबुद्धि ने क्षेत्रीय कार्यशाला के बहाने पूर्व रिटायर्डमेंट फेयरवेल पार्टी का आयोजित करवाया। सुबुद्धि नवंबर 24 में रिटायर्ड हुए और तब लोगों को समझ में नहीं आया। इस आयोजन का असल मकसद तब समझ आया जब जून 25 तत्कालीन पीसीसीएफ विकास सुदीप सिंह ने अपने रिटायर मंथ में पांच सितारा होटलों में क्षेत्रीय कार्यशाला के आयोजन करवाया। इंदौर और ओरछा की होटलों से तस्वीरें मीडिया में आईं, उससे कार्यशाला का असल मकसद सार्वजनिक हो गया। इंदौर में गेट-टू-गेदर यानि कार्यशाला बनाम मौज-मस्ती की पाठशाला में क्या-क्या हुआ, यह किसी से छुपा नहीं है। गिफ्ट से लेकर सूटरूम तक को लेकर सबसे अधिक विवाद हुआ। तब भी सेवानिवृत्त आईएफएस डबास ने इस मस्ती की पाठशाला की संज्ञा देते मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा था।

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है।

मप्र गजब है... सरकार को ही नहीं मालूम प्रदेश में कितनी अवैध कॉलोनियां, अब 10 साल की जेल और 1 करोड़ जुर्माने की तैयारी

भोपाल। प्रदेश में अवैध कॉलोनियों का जाल लगातार फैलता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि सरकार के पास अब तक इनकी वास्तविक संख्या का अद्यतन रिकॉर्ड ही मौजूद नहीं है। वहीं, दूसरी ओर नगरीय प्रशासन विभाग अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई के लिए नया कानून तैयार कर रहा है, जिसमें अवैध कॉलोनाइजरों पर जुर्माना और सजा कई गुना बढ़ाने की तैयारी है।

वर्ष 2016 के पुराने आंकड़े

वर्ष 2016 में नगरीय प्रशासन विभाग ने प्रदेश में 7,981 अवैध कॉलोनियों की पहचान की थी। इनमें से 3,155 कॉलोनियां केवल प्रदेश के 16 नगर निगम क्षेत्रों में चिह्नित की गई थीं। उस समय ग्वालियर नगर निगम में सबसे अधिक 696 अवैध कॉलोनियां दर्ज की गईं। उसके बाद इंदौर नगर निगम था, जहां 636 कॉलोनियां चिह्नित हुई थीं। इसके अलावा खंडवा में 338, भोपाल में 320 और जबलपुर में 224 अवैध कॉलोनियां सामने आई थीं।

बाद के वर्षों में विभाग ने नगरीय निकायों से बार-बार जानकारी मांगी, लेकिन अधिकांश निकायों ने अद्यतन आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए। कुछ गैर सरकारी अनुमानों के अनुसार, प्रदेश में अब अवैध कॉलोनियों की संख्या 30 हजार से अधिक हो सकती है। अकेले भोपाल जिले में ही वर्तमान में 600 से अधिक अवैध कॉलोनियां बताई जा रही हैं। वर्ष 2016 में भोपाल में इनकी संख्या 320 थी, जिनमें से कुछ कॉलोनियों को बाद में वैध भी किया गया। इसके बावजूद नई अवैध बसाहटें लगातार विकसित होती रहीं।

स्थिति केवल सामान्य अवैध कालोनियों तक सीमित नहीं है। ग्रीन बेल्ट, तालाबों के किनारे, शासकीय भूमि और सरकारी योजनाओं की जमीन पर भी बड़ी संख्या में अनाधिकृत कालोनियां विकसित हुई हैं। वर्ष 2016 में प्रदेश के 16 नगर निगमों में ऐसी 806 अपात्र अनाधिकृत कालोनियां चिह्नित की गई थीं। इनमें इंदौर में सबसे अधिक 328 और ग्वालियर में 267 कालोनियां थीं। खंडवा में 105, उज्जैन में 83, भोपाल में आठ, देवास में चार और रतलाम में दो ऐसी कालोनियां दर्ज की गई थीं।

देवास के चिड़ावत गांव की स्थिति ने उजागर की हर घर नल से जल योजना की सच्चाई - जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देवास जिले के चिड़ावत गांव की बदहाल स्थिति को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस गांव को कागजों में आदर्श ग्राम बताया जा रहा है, वहां आज भी ग्रामीणों को खेतों और दूरस्थ स्थानों से डिब्बों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल एक गांव की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और देश में चल रहे जल जीवन मिशन एवं 'हर घर नल से जल' योजना के भ्रष्टाचार की सच्चाई को उजागर करती है।

पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में 'हर घर नल से जल' का वादा किया था, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। केंद्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के लिए लाखों करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अनेक गांवों में नल तो लगाए गए, पर पानी नहीं पहुंचा। कई स्थानों पर अधूरी पाइपलाइन, बंद पड़ी टंकियां और भ्रष्टाचार के मामलों ने पूरी योजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने कहा कि देवास के चिड़ावत गांव का वीडियो अत्यंत पीड़ादायक है। महिलाएं और बच्चे पानी के लिए भटक रहे हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में योजनाएं पूर्ण दर्शाई जा चुकी हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार की प्राथमिकता जनता को सुविधा देना नहीं, बल्कि कागजों पर विकास दिखाकर भ्रष्टाचार को संरक्षण देना है।

पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कई जिलों से लगातार शिकायतें सामने आई हैं। कहीं पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कें खराब छोड़ दी गईं, कहीं जल टंकियां निर्माण के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो गईं और कई गांवों में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को पानी नसीब नहीं हो रहा। यह जनता

के टैक्स के पैसे की खुली लूट है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास के बड़े-बड़े विज्ञापन देती है, लेकिन गांवों की वास्तविकता इन दावों की पोल खोल रही है। यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ होती, तो जल जीवन मिशन में हुए कार्यों का सामाजिक ऑडिट करवाती और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करती। लेकिन आज स्थिति यह है कि भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है।

पटवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में जल जीवन मिशन के लिए ₹70,163 करोड़ का प्रावधान किया। मध्यप्रदेश सरकार ने भी इस योजना के लिए हजारों करोड़ रुपये आवंटित किए। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब बजट में इतनी बड़ी राशि खर्च दिखाई जा रही है, तब देवास के चिड़ावत जैसे गांवों की माताएं और बहनें बूंद-बूंद पानी के लिए क्यों भटक रही हैं?

उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में योजना ईमानदारी से लागू हुई होती, तो ग्रामीणों को खेतों से डिब्बों में पानी भरकर नहीं लाना पड़ता। सरकार बताये कि हजारों करोड़ रुपये आखिर किसके हित में खर्च हुए?

मध्यप्रदेश कांग्रेस ने मांग की कि—

देवास जिले के चिड़ावत गांव सहित जल संकट वाले सभी गांवों का तत्काल सर्वे कराया जाए।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत हुए कार्यों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।

जिन अधिकारियों, ठेकेदारों और एजेंसियों ने कागजों में काम दिखाकर भुगतान लिया है, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित की जाए।

आदर्श ग्राम घोषित गांवों की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और गांव-गांव जाकर भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार एवं झूठे विकास मॉडल की सच्चाई जनता के सामने लाएगी।

आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है।

मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाजी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

राजस्थान रॉयल्स- रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर- तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंस - शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- मानव सुथार।

वॉन ने राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी पर नाराजगी जतायी

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नए राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जतायी है। वॉन ने कहा है कि पिछले चार माह से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) चयनकर्ता की घोषणा नहीं कर पाया है जो बेहद निराशाजनक है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एक ओर जहां टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रही है। वहीं दूसरी ओर चयनकर्ता का पद खाली है। ऐसे में टीम का चयन किस प्रकार किया जाएगा। ये समझ नहीं आ रहा।

वॉन ने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जा सकता है। उन्होंने नये चयनकर्ता के जल्द से जल्द पदभार संभालने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, मैं चाहता था कि चयनकर्ता अब तक नियुक्त कर दिया जाना चाहिये था। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पूर्व चयनकर्ता लूक राइट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंत में पद छोड़ा था और उनकी जग नये चयनकर्ता की तलाश में ईसीबी ने चार माह लगा दिये। जो कि काफी लंबा समया है। यह पद तब से खाली है जब ल्यूक राइट ने 22 जनवरी को घोषणा की थी कि वह छोड़ देंगे, हालांकि उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ा। इसके बावजूद, उनके जगह नये चयनकर्ता को खोजने की प्रक्रिया अब जाकर अपने अंतिम चरण में पहुंची है, ईसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-1 से एशेज में मिली हार के बाद पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के ढांचे की समीक्षा शुरू की थी, जहां प्रबंध निदेशक रॉब की और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने पदों पर बने रहे, लेकिन चयनकर्ता का पद भर नहीं पाया। इस पद के लिए विज्ञापन 18 मार्च को जारी किया गया था और आवेदन 17 अप्रैल तक खुले थे।वहीं ईसीबी ने घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए अपने मौजूदा स्काउट्स के नेटवर्क पर भरोसा किया है। प्रतिभा की पहचान प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए एक नया काउंटी इनसाइट ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें काउंटी कोच और ईसीबी के अधिकारी शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज स्टीवन फिन और डैरेन गफ उन प्रमुख नामों में शामिल हैं जिनके नाम इस पद के लिए चर्चा में हैं, जिसके लिए लगभग 80 आवेदन आए हैं।

मार्श-प्रिंस के शानदार प्रदर्शन से लखनऊ ने आरसीबी को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें बनाये रखीं

लखनऊ । मिचेल मार्श और प्रिंस यादव के अच्छे प्रदर्शन से लखनऊ सुपर जायंट्स ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बराकरार रखीं हैं। सुपर जायंट्स को लगातार छह हार के बाद ये जीत मिली है। बारिश से बाधित इस मैच में सुपर जायंट्स ने आरसीबी को 9 रनों से हरा दिया। इस मैच में जहां मिचेल ने शतक लगाया। वहीं प्रिंस ने चार ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए बारिश के कारण यह मुकाबला 19-19 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने मार्श के शतक से तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे - क्रुणाल पांड्या

लखनऊ । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9

विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम में जैमीसन, ओरूर्के की वापसी

फॉक्सक्रॉफ्ट को पहली बार मिला अवसर

ऑकलैंड । तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और विल ओरूर्के की आयरलैंड ओर और इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में वापसी हुई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार आयरलैंड के खिलाफ टीम एक टेस्ट मैच और इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए 19 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। टॉम लैथम दोनों सीरीज में न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि टॉम ब्लंडेल विकेटकीपर होंगे। इस टीम में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के अनकैप्ड ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को पहली बार शामिल किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र च्चार य टेस्ट इसी महीने की 27 तारीख से खेला जाएगा।

चयन समिति ने इंग्लैंड के हालातों का देखते हुए इस दौरे के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण पर जोर दिया है। इसी कारण मैट हेनरी, जैक फॉल्केस, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को भी तेज गेंदबाजों के दल में जगह मिली है। माइकल रे और अनकैप्ड क्रिस्टियन क्लार्क केवल आयरलैंड के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध होंगे, जबकि बेन सियर्स इंग्लैंड दौरे के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम के

साथ जाएंगे।

वहीं काइल जैमीसन फरवरी 2024 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे। जैमीसन पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वे दो साल से अधिक समय तक इस फार्मेट से बाहर रहे थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका शानदार रिकॉर्ड रहा है, उन्होंने 19 टेस्ट मैचों में 19 की औसत से 80 विकेट लिए हैं। 24 वर्षीय विल ओरूर्के भी चोट के कारण पिछले आठ महीने से टेस्ट टीम से बाहर थे और उन्होंने 11 टेस्ट में 39 विकेट लिए हैं। टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने प्लंकेट शील्ड में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और बांग्लादेश में हाल के प्रदर्शन से प्रभावित किया, जिससे उन्हें यह मौका मिला। टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि टीम काफी अच्छी है और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है।

। डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र और केन विलियमसन जैसे प्रमुख खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा हैं। विल यंग को सिर्फ आयरलैंड टेस्ट के लिए चुना गया है, जबकि डेरिल मिचेल के पाकिस्तान सुपर लीग में लगी पिंडली की चोट से फिट होने की उम्मीद है। जैकब डफी को पहली बार पिता बनने के कारण छुट्टी दी गई है, जबकि माइकल ब्रैसवेल ने व्हाइट बॉल क्रिकेट को प्राथमिकता दी है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि आईपीएल में शामिल खिलाड़ी तब तक अपनी-अपनी टीमों के साथ रहेंगे जब तक उनकी टीमें लीग में बनी रहेंगी।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई - रिपोर्ट

मुम्बई । भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे

आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारूप में एक नया कप्तान मिल सकता है।

टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं।

दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे।

वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है। उनकी मौजूदा फॉर्म और नेतृत्व क्षमता उन्हें भारत की टी20 टीम की कप्तानी के लिए एक मजबूत दावेदार बनाती है।

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी।है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं।

इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है।

सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि

खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा।

नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा।

यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मैच के दौरान टीम मालिकों को खिलाड़ियों से दूरी बनाए रखनी होगी; मालिक मैच के दौरान डगआउट या ड्रेसिंग रूम में जाकर खिलाड़ियों से बात नहीं कर सकते और न ही उन्हें गले लगा सकते हैं, क्योंकि इसे मैच की मर्यादा का उल्लंघन माना जाएगा।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद - इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना ??है कि इस 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर है। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनाएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनाएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना ??है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है।

बीसीबी ने फिक्सिंग को लेकर खिलाड़ियों के साथ ही टीम मालिकों को भी निलंबित किया

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने प्रीमियर लीग मुकाबलों में फिक्सिंग के खुलासे के बाद कई खिलाड़ियों के साथ ही टीम अधिकारी, फ्रैंचाइजी मालिक को भी निलंबित कर दिया है। बीसीबी के अनुसार सभी लोगों पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भ्रष्टाचार रोधी नियमों का उल्लंघन करने का आरोप था। बीसीबी के अनुसार, ये गंभीर आरोप बोर्ड की ही इकाई ने लगाये हैं। जांच में कथित भ्रष्ट आचरण, अवैध सट्टेबाजी की गतिविधियों में संलिप्तता, भ्रष्टाचार-रोधी जांच में आवश्यक सहयोग प्रदान करने से इनकार करने, और महत्वपूर्ण जांच प्रक्रियाओं में बाधा डालने या देरी करने की कोशिशों की गहराई से जांच की। यह जांच खेल को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए बीसीबी की प्रतिबद्धता को दिखाती है।

जिन प्रमुख व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। उनमें टीम मैनेजर मोहम्मद लबलुर रहमान और फ्रेंचाइजी के सह-मालिक मोहम्मद तौहीदुल हक तौहीद शामिल हैं। इन दोनों पर कोड के आर्टिकल 2.4.6 के तहत बिना किसी वैध कारण के जांच में सहयोग न करने और आर्टिकल 2.4.7 के तहत संभावित भ्रष्ट आचरण की जांच में रुकावट डालने या देरी करने का आरोप है, जिसमें संबंधित संचार और जानकारी को जानबूझकर छिपाना, हटाना या नष्ट करना शामिल है। यह गंभीर उल्लंघन जांच में पारदर्शिता की कमी और सच्चाई को दबाने के प्रयासों की ओर इशारा करता है।

इसके अतिरिक्त, घरेलू क्रिकेटर अमित मोजुमदार और एक अन्य टीम मैनेजर रेजवान कबीर सिद्दीकी पर भी गंभीर आरोप लगे हैं। इन पर कोड के आर्टिकल 2.2.1 के तहत किसी क्रिकेट मैच के परिणाम, प्रगति, आचरण या किसी अन्य पहलू पर दांव लगाने, लेने या किसी भी तरह से सट्टेबाजी में शामिल होने का आरोप है। ये आरोप क्रिकेट के मैदान पर निष्पक्ष खेल के सिद्धांत के बिल्कुल विपरीत हैं और खेल प्रेमियों के विश्वास को तोड़ने वाले हैं।

इन सभी आरोपी प्रतिभागियों को तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है, जो जांच पूरी होने तक प्रभावी रहेगा। उन्हें लगाए गए आरोपों का लिखित जवाब देने के लिए नोटिस मिलने की तारीख से 14 दिनों का समय दिया गया है।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ । आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये। जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

भारतीय रेलवे में बड़ा बदलाव, अब एआई बताएगा आपका वेटिंग टिकट कन्फर्म होगा या नहीं

पटना। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। लगभग 40 साल पुरानी (1986 से चल रही) पैसेंजर रिज़र्वेशन सिस्टम को पूरी तरह बदला जा रहा है। अगस्त 2026 से रेलवे की सभी ट्रेनों को एक नई और आधुनिक प्रणाली पर शिफ्ट किया जाएगा। इस परियोजना की समीक्षा खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की है। नई रिज़र्वेशन सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बड़े स्तर पर उपयोग किया जाएगा। अब यात्रियों को टिकट बुक करते समय ही यह जानकारी मिल सकेगी कि उनका वेटिंग टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। पहले इस अनुमान की सटीकता लगभग 53 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर करीब 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे यात्रियों

की यात्रा की योजना बनाने में काफी आसानी होगी और अनिश्चितता कम होगी। यानि नई एआई आधारित प्रणाली से रेलवे यात्रा और भी आसान, तेज और पारदर्शी होने की उम्मीद है।

रेलवन ऐप की बढ़ती लोकप्रियता

भारतीय रेल का मोबाइल ऐप 'रेलवन' ऐप भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। जुलाई 2025 में लॉन्च हुए इस ऐप ने एक साल से भी कम समय में 3.5 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर लिया है। इस ऐप के जरिए रोजाना लगभग 9.29 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं, जिनमें 7.2 लाख अनारक्षित और 2.09 लाख आरक्षित टिकट शामिल हैं। इस ऐप के लोकप्रिय होने के कई कारणों में से सबसे बड़ा कारण यह है कि यह ऐप देश के आम आदमी को रेल संबंधी सभी जानकारियाँ तो देता ही है, टिकटिंग तथा अन्य सेवाओं से जुड़ी उनकी शिकायतों का भी निपटारा करता है। आज जब आप अपनी टिकट बनाते हैं, तो रेलवन ऐप आपको यह बताता है कि आपकी वेटिंग में दिख रही टिकट कन्फर्म होगी या नहीं। टिकट के कन्फर्म होने की सटीक संभावना भी अब आपको एआई के माध्यम से रेलवन ऐप बताने लगा है। यह नई सुविधा इस साल की शुरुआत से ही लागू की गई है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। रेलवन ऐप पर वेटिंग टिकट के कन्फर्म होने के अनुमान की सटीकता पहले के 53 प्रतिशत से बढ़कर अब 94 प्रतिशत तक पहुँच गई है। रेलवन ऐप में इस तरह की कई एकीकृत एवं आधुनिक सुविधाएँ हैं, जो रेल संबंधी अन्य सभी सेवाओं को भी अपने में समाहित किए हुए हैं। जैसे- आरक्षित, अनारक्षित तथा प्लेटफॉर्म आदि विभिन्न प्रकार के टिकटों की बुकिंग, रद्दीकरण तथा रिफंड।

यात्रियों को 43 प्रतिशत तक सब्सिडी

देश में यात्रियों के लिए भारतीय रेल एक जीवन रेखा है- भारतीय रेल ने 2024-25 में यात्रियों के टिकटों पर 60,239 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी। यह रेलवे पर यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 43 प्रतिशत की छूट के बराबर है। दूसरे शब्दों में, यदि सेवा प्रदान करने की लागत 100 रुपये है, तो टिकट की कीमत केवल 57 रुपये है। यानी यात्रियों को औसतन 43 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है।

हम वो नहीं जो मुश्किल वक्त में एक-दूसरे का साथ छोड़ दें

-कांग्रेस का डीएमके से नाता तोड़ने पर अखिलेश से कसा तंज

लखनऊ। तमिलनाडु में चुनाव परिणामों के बाद राजनीति में हलचल मची हुई है। डीएमके, एआईडीएमके और टीवीके किसी के पास भी बहुमत नहीं है। सभी दल सरकार बनाने के लिए रस्साकशी में लगे हैं। एक्टर विजय की पार्टी भले ही सबसे ज्यादा सीटें जीती है, राज्यपाल उन्हें सरकार बनाने का न्यौता नहीं दे रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके पास बहुमत के जरूरी 118 विधायकों का समर्थन नहीं है। कांग्रेस ने अपने पुराने सहयोगी डीएमके से अलग होकर विजय को समर्थन देने का ऐलान किया है। हालांकि, यह बात समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को पसंद नहीं आई। उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी का नाम लिए बगैर दो अलग-अलग नेताओं के साथ अपनी तस्वीर की मदद से तीखा तंज कसा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को अखिलेश यादव ने तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करके हुए लिखा- हम वो नहीं जो मुश्किल वक्त में एक-दूसरे का साथ छोड़ दें। बता दें एक तस्वीर में वह कोलकाता में ममता बनर्जी के साथ दिख रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में वह स्टालिन के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों ही पूर्व मुख्यमंत्रियों को हाल के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है।

अखिलेश के इस बयान को सीधे तौर पर कांग्रेस के लिए एक तंज माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने डीएमके से गठबंधन तोड़ लिया और विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन देने का ऐलान किया। कांग्रेस के इस कदम को डीएमके ने पीठ में छुरा घोंपना बताया है। डीएमके नेताओं का कहना है कि मुश्किल वक्त में कांग्रेस ने सत्ता के लालच में दशकों पुराने रिश्ते को खत्म कर दिया। अखिलेश यादव के इस ट्वीट को इंडिया गठबंधन में दरार के तौर भी देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक अखिलेश यादव ने स्टालिन के प्रति एकजुटता दिखाकर यह संदेश दिया है कि समाजवादी पार्टी और डीएमके जैसे क्षेत्रीय दल अब भी एक-दूसरे के साथ खड़े हैं। बता दें तमिलनाडु में सरकार बनाने को लेकर सस्पेंस बरकरार है। विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बहुमत से दूर है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी विजय सरकार बनाने की दावेदारी पेश कर रहे हैं, जबकि डीएमके इसे जनादेश का अपमान बता रही है।

नांदेड़ में हथियारों का विशाल जखीरा बरामद : 24 घंटे की रेड से आपराधिक मंसूबों का पर्दाफाश

मुख्य आरोपी जसविंत सिंह प्रकाश सिंह सुखमणि फरार

नांदेड.। महाराष्ट्र के नांदेड़ से एक ऐसी चौंकाने वाली खबर सामने आई है, इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को हिला दिया है और पूरे देश का ध्यान खींचा है। नांदेड़ ग्रामीण पुलिस ने अभूतपूर्व कार्रवाई में, एक घर से एक या दो नहीं, बल्कि पूरे 4,796 घातक धारदार हथियार बरामद हुए हैं। इस बरामदगी को महाराष्ट्र के इतिहास में एक ही दिन में की गई हथियारों की सबसे बड़ी बरामदगी है, जो कि अपराधियों के सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ दिया है। पुलिस का मानना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल किसी बड़ी आपराधिक साजिश को अंजाम देने के लिए हो सकता था, और इनका मकसद धार्मिक कदापि नहीं हो सकता।

नांदेड़ ग्रामीण पुलिस को इलाके में अवैध हथियारों के बड़े पैमाने पर व्यापार की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर, इंस्पेक्टर ओमकांत चिंचोलकर के नेतृत्व में टीम ने बलीरामपुर में जाल बिछाया। वहां पुलिस को अभिजीत गिरिधर सातपुते नामक एक संदिग्ध युवक मिला, जो कि अपनी कमर में तलवार और खंजर छिपाए हुए थे। जब पुलिस ने आरोपी दबोचा और सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जो राज उगला, उसने पुलिस को चौंका दिया। संदिग्ध युवक की निशानदेही पर पुलिस ने वजीराबाद के गुरु रामदास नगर स्थित एक घर पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही एक आरोपी मौके से भागने में सफल रहा, लेकिन जब घर की गहन तलाशी हुई, तब वहां हथियारों का एक विशाल भंडार मिला। 24 घंटे तक चली मैराथन रेड में पुलिस ने कुल 4,796 हथियार जब्त किए। इसमें से 315 बड़ी तलवारें, 135 मध्यम तलवारें और सैकड़ों की संख्या में खंजर, खंडा, गुप्तियां और कुकरी शामिल थीं। पुलिस के मुताबिक, इन जब्त किए हथियारों की कीमत अवैध बाजार में करीब 43.48 लाख रुपये है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जब्त किए गए 90 प्रतिशत हथियारों का इस्तेमाल केवल आपराधिक गतिविधियों के लिए ही सकता था। नांदेड़ पुलिस ने साफ किया है कि सजावट या धार्मिक कार्यों के नाम पर अवैध हथियारों की बिक्री करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस पूरे काले कारोबार का मुख्य आरोपी जसविंत सिंह प्रकाश सिंह सुखमणि बताया जा रहा है, जो फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 4 और 25 के तहत मामला दर्ज किया है। जांच टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतने बड़े पैमाने पर हथियार कहां से लाए गए थे और इनका वितरण किन-किन जिलों या राज्यों में होना था। नांदेड़ पुलिस ने चेतावनी दी है कि वे केवल हथियारों को पकड़ने तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि इस पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जाएगा।

मैं भी एक मां हूं और नहीं चाहती कि किसी और का बच्चा मरे, दोषियों को मिले उम्रकैद

-चंद्रनाथ रथ की मां ने बेटे की मौत के लिए सीधे तौर पर टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद राज्य में राजनीतिक तनाव चरम पर है। बुधवार रात उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में उनके घर से पास बाइक सवार हमलावरों ने उन्हें गोलियों से भून दिया था। इस हत्याकांड को लेकर अब शुभेंदु अधिकारी और मृतक चंद्रनाथ की मां ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रनाथ रथ की मां हासीरानी रथ ने एक इंटरव्यू में अपने बेटे की मौत के लिए सीधे तौर पर टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि यह टीएमसी की गुंडागर्दी है, वही इसके पीछे हैं। मेरा बेटा चला गया, अब मैं न्याय चाहती हूं। मैं नहीं चाहती कि दोषियों को फांसी दी जाए, बल्कि उन्हें उम्रकैद मिलनी चाहिए। मैं भी एक मां हूं और नहीं चाहती कि किसी और का बच्चा मरे। उन्होंने नई सरकार से गुहार लगाई है कि वह उनके बेटे के हत्यारों को पकड़कर सख्त सजा सुनिश्चित करे।

शुभेंदु अधिकारी ने इस घटना को एक सुनियोजित हत्या करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने दो-तीन दिनों तक रेकी की थी। उन्होंने इस हत्या को 2026 के चुनावी नतीजों से जोड़ते हुए कहा कि उसे इसलिए मारा गया क्योंकि वह मेरा करीबी था और मैंने ममता को उनके गढ़ भवानीपुर में हरा दिया था। अधिकारी ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर प्रहार करते हुए इसे 15 साल का महा-जंगलराज बताया।

वहीं टीएमसी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए हत्या की निंदा की है। दिलचस्प बात यह है कि टीएमसी ने इसके लिए बीजेपी समर्थित बदमाशों को जिम्मेदार ठहराया और चुनाव के बाद की हिंसा का हिस्सा बताया। टीएमसी ने एक्स पर लिखा- लोकतंत्र में हिंसा और राजनीतिक हत्याओं का कोई स्थान नहीं है। हम इस मामले में कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं।

242 लोगों की मौत का खुलेगा राज! जल्द आ सकती है अहमदाबाद प्लेन हादसे की रिपोर्ट

नई दिल्ली। 12 जून 2025 का दिन इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है, इस दिन अहमदाबाद में हुए प्लेन हादसे ने पूरे देश को सदमें में डाल दिया था। 12 जून 2025 को एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद के एक मेडिकल हॉस्टल और मेडिकल मेस से टकराकर गिर गया था। जिसमें 241 यात्री मारे गए थे। अब अहमदाबाद प्लेन क्रैश से जुड़ी हुई बड़ी खबर ये सामने आई है कि इसकी रिपोर्ट अगले 1 माह में आ सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने प्लेन क्रैश रिपोर्ट के बारे में बताया कि प्लेन क्रैश की जांच अंतिम स्टेज में है, अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट अगले 1 माह में आ सकती है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि अभी कई एजेंसियां ??और एएआईबी जांच कर रही हैं, केंद्र की ओर से अब तक पूरी मदद दी गई है जांच अब आखिरी स्टेज में है। प्लेन क्रैश के मामले में पीड़ितों से संपर्क न हो पाने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हालात पर नजर रखी जा रही है। मुआवजा मिले, इसके लिए सावधानी रखी जा रही है, इसकी ठीक से जांच की जा रही है। प्लेन हादसे के बाद हॉस्टल के डॉक्टरों ने बालकनी से कूदकर अपनी जान बचाई इसतरह के कई वीडियो भी सामने आए थे।

इसके अलावा हादसे के दौरान एक चमत्कार भी हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति जिंदा बचा था। हादसे के वक्त विश्वास कुमार रमेश किसी तरह से बाहर निकले, 242 लोगों में 230 मुसाफिर थे और 12 क्रू मेंबर थे, बदकिस्मती की बात ये रही कि हादसे में एक मुसाफिर को छोड़कर बाकि सबकी जान चली गई।

जनता का आक्रोश सत्ता परिवर्तन की भूमिका लिखेगा- हरियाणा से राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर प्रहार

चंडीगढ़। हरियाणा में आयोजित सद्भाव यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग भले यह मान रहे हों कि उनका शासन हमेशा चलता रहेगा, लेकिन अब देश की जनता सब समझ चुकी है और जल्द ही जनाक्रोश सत्ता परिवर्तन की नई कहानी लिखेगा। उन्होंने कहा कि जनता के धैर्य की भी एक सीमा होती है और जब लोगों का विश्वास टूटता है, तब बदलाव निश्चित हो जाता है।

सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने दावा किया कि कई राज्यों में जनमत को कमजोर करने का प्रयास किया गया, लेकिन कांग्रेस जनता की ताकत के भरोसे हर चुनौती का मुकाबला करेगी। राहुल गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता संघर्ष की राह से पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी और जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा। सद्भाव यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं नेताओं को जमीन से जोड़ती हैं। जनता के बीच जाकर उनकी परेशानियां समझने से राजनीति की सही दिशा तय होती है। उन्होंने पार्टी के युवा नेताओं से देशभर में इसी तरह लोगों के बीच जाने का आह्वान किया। राहुल गांधी ने बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, बढ़ती महंगाई और आर्थिक नीतियों को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा।

बंगाल में फिर चुनाव बाद हिंसा, हावड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं पर बम से हमला, टीएमसी पर आरोप

हावड़ा। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा घटना हावड़ा के शिबपुर इलाके से आई है, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं पर बमों से हमला हुआ। वायरल वीडियो में सड़कों पर अराजकता, बम फेंके जाने, तोड़फोड़ और अल्लाहु अकबर व नारा-ए-तकबीर के नारे लगाते लोगों को देखा जा सकता है। भाजपा ने हमले के लिए सीधे तौर पर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी पार्टी का दावा है कि शिबपुर के चौराबस्ती में हुए इस हमले में उसके कम से कम दो कार्यकर्ता घायल हुए हैं। वीडियो में धमाकों की आवाजें साफ सुनाई दे रही हैं और एक संकरी गली में धुआं उठता दिख रहा है, जबकि पुरुषों का एक समूह धार्मिक नारे लगाता हुआ इलाके में घूम रहा था, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। भाजपा नेताओं के अनुसार, टीएमसी के कथित समर्थक, जिनका नेतृत्व लोकल नेता शमीम अहमद कर रहे थे, ने उनके कार्यकर्ताओं पर पत्थर, ईंट और देसी बमों से हमला किया। घायल कार्यकर्ताओं को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिबपुर पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया, प्रशासन पर हमलों को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया और तत्काल गिरफ्तारी तथा कड़ी सुरक्षा की मांग की।

तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली,। नई दिल्ली में तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विधानसभा को ही बहुमत परीक्षण का सही मंच माना है। चिदंबरम ने उन तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों की भी सराहना की, जिन्होंने इस सिद्धांत को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया और उसका समर्थन किया।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ है। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए उसे अभी भी करीब 10 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। बहुमत का आंकड़ा नहीं होने की वजह से राज्यपाल ने अभी तक विजय को सरकार गठन का न्यौता नहीं दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने का औपचारिक ऐलान किया है।

डीआरडीओ ने बनाया तारा : एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने ओडिशा के तट पर टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन (टीएआरए) हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को इस ऐतिहासिक परीक्षण की जानकारी साझा की। तारा (तारा) एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है। यह भारत की पहली ऐसी स्वदेशी प्रणाली है जो सामान्य वारहेड्स को सटीक-निर्देशित हथियारों में बदलने की ताकत रखती है। तारा को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा तैयार किया गया है। यह कम लागत वाले हथियारों की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाकर जमीन पर स्थित लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है। यह अत्याधुनिक और किफायती प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला ग्लाइड हथियार है। इस किट का विकास डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर्स (डीसीपीपी) और अन्य भारतीय उद्योगों के सहयोग से किया गया है, जिन्होंने इसका उत्पादन भी शुरू कर दिया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, वायु सेना और उद्योग भागीदारों को बधाई दी।

हंता वायरस पर केंद्र सतर्क- निगरानी तेज, स्वास्थ्य एजेंसियां अलर्ट, भारत के लिए कितना बड़ा खतरा?

नई दिल्ली । दुनिया के कई हिस्सों में हंता वायरस संक्रमण के मामलों के बीच भारत सरकार भी पूरी तरह सतर्क हो गई है। केंद्र सरकार ने इस संक्रमण को लेकर निगरानी बढ़ा दी है और स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार राष्ट्रीय रोग नियंत्रण एजेंसियों तथा वैश्विक स्वास्थ्य संस्थाओं के संपर्क में बना हुआ है। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री जहाज पर संक्रमण के संभावित मामलों के सामने आने के बाद भारत ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार समुद्री जहाज पर संक्रमण के आठ संभावित मामले सामने आए हैं, जिनमें पांच मामलों की प्रयोगशाला जांच से पुष्टि हुई है, जबकि तीन लोगों की मौत की खबर ने वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसी के बाद भारत में एकीकृत रोग निगरानी तंत्र और आपात स्वास्थ्य संचालन केंद्र ने उच्चस्तरीय समीक्षा शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक जहाज पर मौजूद दो भारतीय नागरिकों को एहतियातन निगरानी में रखा गया है। फिलहाल उनमें किसी प्रकार के लक्षण सामने नहीं आए हैं, लेकिन सरकार किसी भी जोखिम को हल्के में लेने के मूड में नहीं है।

विशेषज्ञों के अनुसार हंता वायरस मुख्य रूप से चूहों के जरिए फैलता है। संक्रमित चूहों के मल, मूत्र, लार या उनके संपर्क में आने वाली धूल के जरिए यह इंसानों तक पहुंच सकता है। कुछ विशेष परिस्थितियों में सीमित रूप से इंसान से इंसान में संक्रमण की संभावना भी बताई गई है।

हालांकि वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने फिलहाल इस संक्रमण से व्यापक महामारी का खतरा कम बताया है। भारत में अभी तक इस वायरस के सामुदायिक प्रसार का कोई प्रमाण नहीं मिला है, लेकिन केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि निगरानी, जांच और बचाव के सभी उपाय पूरी सतर्कता के साथ जारी रहेंगे।

सीजेआई सूर्यकांत को भी कभी जज ने कहा था कमरे से बाहर निकलो

-जज ने सुनाया अपने संघर्षकाल का किस्सा

-असफलताओं से निराश न होने की दी सलाह

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अपने शुरुआती कानूनी जीवन से जुड़ा एक प्रेरणादायक किस्सा साझा किया। न्यायिक सेवा परीक्षा के प्रश्नपत्र के पुनर्मूल्यांकन की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्होंने युवा कानून छात्रों और अभ्यर्थियों को छोटी असफलताओं से निराश न होने की सलाह दी।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कानून की पढ़ाई के अंतिम वर्ष में ही उन्होंने न्यायिक सेवा में जाने का सपना देखा था। उस समय अंतिम वर्ष के छात्र भी परीक्षा देने के पात्र होते थे। हालांकि बाद में भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हुए और साक्षात्कार प्रक्रिया में हाईकोर्ट के जजों की भूमिका बढ़ा दी गई। उन्होंने बताया कि एक वरिष्ठ न्यायाधीश, जो उनके काम से परिचित थे, ने एक दिन उन्हें अपने कक्ष में बुलाया और पूछा, क्या आप न्यायिक अधिकारी बनना चाहते हैं? इसके बाद जज ने उन्हें कमरे से बाहर निकलने को कह दिया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मैं कांपते हुए बाहर आया। मेरे सारे सपने टूट गए थे। मुझे लगा कि मेरा अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि जीवन में ऐसे अनुभव इंसान को मजबूत बनाते हैं और युवाओं को बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।

शपथ से पहले शुभेंदु अधिकारी के पांच बड़े वादे, सुरक्षा से संस्कृति तक दिया भरोसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी सरकार गठन की तैयारी में जुट गई है। 9 मई को रवींद्र जयंती के अवसर पर कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जहां शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण से पहले शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश की जनता के सामने पांच बड़े संकल्प रखकर आने वाली सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल की जनता से जो गारंटी दी है, नई सरकार उसे हर हाल में पूरा करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए सभी वादों को तय समय सीमा के भीतर जमीन पर उतारा जाएगा।

उन्होंने कहा कि नई सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य बंगाल को भयमुक्त बनाना है। प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया जाएगा और राजनीति के अपराधीकरण पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी। शुभेंदु ने कहा कि अब शासन व्यवस्था जनता के हित में काम करेगी, किसी दल विशेष के लिए नहीं।

राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने साफ कहा कि राज्य में अवैध घुसपैठ और सीमापार तस्करी पर पूरी तरह लगाम लगाई जाएगी। उनके अनुसार बंगाल की जीत सिर्फ राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा को मजबूत करने का अवसर है।

शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का भी वादा किया। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनका सपना ऐसा बंगाल बनाना है जहां मन भयमुक्त हो और हर नागरिक सम्मान के साथ जी सके।

उन्होंने कहा कि नई सरकार सिर्फ वादों की राजनीति नहीं करेगी, बल्कि काम करके विश्वास जीतेगी। अब बंगाल में विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव नई सरकार की पहचान होगा।

बालाघाट
शनिवार 09 मई 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खेत जाते समय महिला पर मधुमक्खियों का हमला

गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाने के ग्राम मांझापुर में गुरुवार सुबह एक महिला पर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इस घटना में महिला घायल हो गई। घायल महिला सावित्री पति राजकुमार डहरवाल 42 वर्ष को उपचार के लिए

जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 मई को सुबह 9 बजे सावित्री अपने घर से पैदल खेत की ओर जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के लगातार डंक मारने से घबराई सावित्री जान बचाने के लिए भागते हुए किसी तरह घर पहुंचीं। लेकिन मधुमक्खियों का झुंड उनके पीछे घर तक आ गया। परिजनों ने तुरंत पंप चलाकर पानी की धार से मधुमक्खियों को भगाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही पति राजकुमार डहरवाल भी मौके पर पहुंच गए और घायल सावित्री को मोटरसाइकिल से तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।जहां उनका उपचार जारी है।बताया गया है कि सावित्री का परिवार खेती-किसानी पर निर्भर है। उनके पति खेती के साथ-साथ फैक्ट्री में मजदूरी का कार्य भी करते हैं। परिवार में एक बेटा और एक बेटी है।

सूदखोरी मामले की इनसाइड स्टोरी

वारासिवनी में सूदखोरी का काला खेल उजागर, ब्याज के जाल में फंसे परिवारों ने सुनाई दर्दनाक दास्तां

ब्लैंक चेक, एटीएम, स्टांप पेपर और जमीन तक गिरवी रखवाकर किया जाता था आर्थिक शोषण, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी क्षेत्र में वर्षों से चल रहे कथित सूदखोरी के बड़े नेटवर्क का खुलासा होने के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। जरूरतमंद लोगों को पहले आसानी से रकम उधार देना और बाद में उन्हें भारी ब्याज, धमकी, मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक दबाव के जरिए कर्ज के दलदल में धकेलना इस पूरे मामले की सबसे गंभीर बात बनकर सामने आई है। 8 मई को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में ऊंची ब्याज दरों पर रकम देकर लोगों का आर्थिक शोषण किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों की संयुक्त जांच के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अनिल अरोरा पिता प्रीतमलाल अरोरा उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 07 लालबर्रा रोड वारासिवनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी जरूरतमंद लोगों को पहले कम समय में आसानी से रकम उपलब्ध कराता था, लेकिन बाद में उनसे कई गुना अधिक ब्याज वसूला जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी द्वारा 10 प्रतिशत तक ब्याज लिया जाता था, जो पूरी तरह अवैध और शोषणकारी है। प्रेस वार्ता के बाद जब पीड़ितों ने मीडिया से चर्चा की तो पूरे मामले की भयावह तस्वीर सामने आई। कई पीड़ितकैमरे के सामने ही भावुक हो गए। किसी ने अपनी नौकरी बचाने के लिए वर्षों तक चुप्पी साधे रखी, तो कोई परिवार और सामाजिक प्रतिष्ठा के डर से शिकायत नहीं कर पाया।

20 हजार से शुरू हुआ कर्ज, 50 लाख तक ब्याज दे दिया

पीड़ित विलास कुमार बिसेन ने बताया कि वर्ष 2012 में उन्होंने केवल 20 हजार रुपए ब्याज पर लिए थे। बाद में पारिवारिक जरूरतों और आर्थिक संकट के कारण अलग-अलग समय में लगभग 8 लाख रुपए तक की राशि आरोपी से ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि रकम देने के साथ ही आरोपी ने उनसे ब्लैंक चेक, स्टांप पेपर पर नोटरी और एटीएम कार्ड तक अपने कब्जे में रख लिए थे। धीरे-धीरे ब्याज इतना बढ़ता गया कि 7 से 8 वर्षों में उन्होंने लगभग 40 से 50 लाख रुपए तक आरोपी को दे दिए, लेकिन इसके बाद भी मूलधन खत्म नहीं हुआ। विलास बिसेन ने कहा कि वह शिक्षा विभाग में कार्यरत थे और नौकरी में रहते हुए इस पूरे मामले को सार्वजनिक करने से डरते रहे। उन्हें हमेशा बदनामी और झूठे मामलों में फंसाने का भय बना रहता था। सेवानिवृत्ति के बाद जब आर्थिक स्थिति पूरी तरह बिगड़ गई तब उन्होंने पुलिस की शरण ली। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लगने लगा था कि चाहे पूरी जिंदगी की कमाई भी दे दें, फिर भी कर्ज कभी खत्म नहीं होगा।

किस्त मैं भरती थी, गाड़ी वो चलाता था

पीड़िता मधुरा बाई उइके ने बताया कि बेटे के एक्सीडेंट के दौरान उन्होंने डेढ़ लाख रुपए ब्याज पर लिए थे। बाद में ब्याज की रकम लगातार बढ़ती गई और उन्होंने 7 से 8 लाख रुपए तक आरोपी को दे दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने उनसे भी ब्लैंक चेक और स्टांप पेपर अपने पास रख लिए थे। इतना ही नहीं, उनके नाम पर बैंक से एक चारपहिया वाहन फाइनेंस करवाया गया, लेकिन वाहन का उपयोग आरोपी करता था जबकि उसकी किस्तें मधुरा बाई भरती थीं। मधुरा बाई ने कहा कि उन्हें ज्यादा पढ़ाई-लिखाई नहीं आती थी और इसी का फायदा उठाकर उनसे लगातार पैसे वसूले जाते रहे। सेवा निवृत्ति के बाद मिली राशि का बड़ा हिस्सा भी आरोपी द्वारा ले लिया गया। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उन्हें कई बार समझ ही नहीं आता था कि उन्होंने कितना पैसा दे दिया और कितना बाकी है।

10 एकड़ जमीन रजिस्ट्री करवा दी

पीड़ित लेमन वाडीबा बताते हैं कि कोविड के समय वर्ष 2020 में उनके द्वारा सुनील से सबसे पहले ब्याज के रूप में 20 हजार रुपये लिए गए थे। उसके बाद वर्ष 2021 में उनके बेटे का एक्सीडेंट होने पर 8 लाख रुपये ब्याज पर लिए गए। बाद में उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीन बेचकर सुनील के सारे पैसे वापस कर दिए। लेकिन ब्याज का पैसा उधार लेते समय सुनील द्वारा उनकी पत्नी और उनके ब्लैंक चेक तथा स्टांप ले लिए गए थे, जो बाद में भी वापस नहीं किए गए। लेमन वाडीबा का कहना है कि बाद में सुनील ने उनके आदिवासी होने का फायदा उठाते हुए कहा कि उसने उन्हें उधार देकर मदद की है, इसलिए वे किसी आदिवासी की जमीन उसके नाम पर रजिस्ट्री करवाने में उसकी मदद करें। उन्होंने बताया कि सुनील ने लगभग 10 एकड़ जमीन लेमन वाडीबा और उनकी पत्नी मंजू के नाम पर करवा दी। बाद में कुछ जमीन बेची भी गई और उनके खाते से लगभग 50 लाख रुपये का लेनदेन किया गया। पीड़ितके अनुसार बाद में एक समय ऐसा भी आया जब सुनील द्वारा और जमीन रजिस्ट्री करवाने को कहा गया, लेकिन लेमन ने और जमीन वापस अपने नाम पर रजिस्ट्री करने से मना कर दिया। हालांकि ब्लैंक चेक होने के कारण उन पर दबाव भी बनाया जा रहा था। इसके बाद पुलिस स्वयं ही इस पूरे मामले में पीड़ितक पहुंच गई।

मानसिक प्रताड़ना से टूटते गए परिवार

पीड़ितों का कहना है कि सूदखोरी केवल आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं थी, बल्कि मानसिक प्रताड़ना भी लगातार दी जाती थी। समय पर ब्याज नहीं देने पर फोन पर धमकी, घर पहुंचकर दबाव बनाना, सामाजिक बदनामी का डर दिखाना और संपत्ति कब्जाने की चेतावनी देना आम बात थी। कई परिवारों ने बताया कि इस पूरे मामले के कारण उनके घरों में तनाव का माहौल बन गया था। कुछ लोग मानसिक अवसाद तक में चले गए और कई परिवार आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गए।

पुलिस ने लोगों से की अपील

पुलिस प्रशासन ने कहा है कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और यदि अन्य लोग भी इस प्रकार की सूदखोरी का शिकार हुए हैं तो वे आगे आकर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आर्थिक जरूरत के लिए केवल अधिकृत बैंक और वैधानिक संस्थानों से ही ऋण लें तथा निजी सूदखोरों से दूरी बनाए रखें।

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक -हालत गंभीर

बैहर रोड ग्राम धनसुआ के पास हुआ जबरदस्त सड़क हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर रोड स्थित भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनसुआ के पास गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक अक्षय पिता किशोर टेम्भरे 28 वर्ष ग्राम चुटिया (डाकनी) जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी बताया गया है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 मई को 12 बजे यह युवक अपनी मोटरसाइकिल में अपने घर से डिंडोरी जाने निकला था। 2:00 बजे करीब बालाघाट से बैहर की ओर जा रहा था। इसी दौरान ग्राम धनसुआ के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर ने उसकी मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि युवक गंभिर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। जिसे तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। किंतु परिजन नहीं आने के कारण उसका जिला अस्पताल में ही इलाज किया जा रहा था। यह युवक बोलने की स्थिति में नहीं था। जिसके पास मिले मोबाइल फोन के माध्यम से उसके परिजनों से संपर्क किया गया है। तब इस युवक का नाम अक्षय पिता किशोर टेम्भरे ग्राम चुटिया जिला गोंदिया निवासी बताया गया। सूचना मिलते ही इस युवक के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जिन्होंने बताया कि यह युवक अक्षय डिंडोरी में जिओ टावर मेंटेनेंस का काम करता थाऔर वह मोटरसाइकिल में डिंडोरी जाने निकला था। तभी यह दुर्घटना हो गई। खबर मिलते ही वे तुरंत जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे। इस

युवक को उसके परिजनों ने गोंदिया लेकर गए जहा,उसका किसी निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। इस युवक की हालत गंभीर बनी हुई थी। यह भी बताया गया कि इस युवक की मम्मी का देहांत हो चुका है और वह अपने पिता के साथ में ही रहता था।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 7 मई 2026 को खनिज अमले द्वारा तहसील बालाघाट क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया गया। कार्रवाई के दौरान प्रकाश लिल्हारे पिता राधेश्याम लिल्हारे, निवासी गायखुरी द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर पॉलिटेक्निक तिराहा के पास से ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया गया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जप्त वाहन के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का

निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेड़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट